राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 28 सितंबर 2024 वर्ष–7,अंक–246 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस पर पथराव.....एसी बोगी का पूरा शीशा टूट

पटना । बिहार के समस्तीपुर में जयनगर से दिल्ली जा रही स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस (12561) पर एक शख्स के द्वारा पथराव करने का मामला आया है। इस दौरान एक एसी बोगी का पूरा शीशा टूट गया। वहीं, पैंट्री कार का शीशा भी क्षतिग्रस्त हो गया है। घटना के बाद आरपीएफ की टीम जांच में जुट गई है। स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय 08ः55 में समस्तीपुर से जैसे खुली, प्लेटफार्म पर मौजूद एक शख्स ने ट्रेन पर पथराव कर दिया। इसके बाद ट्रेन रुक गई। घटना की जानकारी मिलने पर आरपीएफ की टीम ट्रेन में जांच करने के लिए मौके पर पहुंची। जांच के बाद ट्रेन को रवाना कर दिया गया। ट्रेन में हुए क्षतिग्रस्त शीशे को मुजफ्फरपुर में ठीक किया गया। आरपीएफ इंस्पेक्टर ने बताया, जांच में ये बात सामने आई हैं कि प्लेटफॉर्म पर मौजूद एक पागल शख्स ने स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस पर पथराव किया था, जिसका सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पागल को स्टेशन से भगा दिया गया है।वैसे रेलवे एक-एक बिंदु पर जांच में जुटी है।

एनएमसी का सर्वे- देश में 31 फीसदी बच्चे एनीमिक से पीड़ित

28 राज्यों में लगे हेल्थ कैंप के आधार पर रिपोर्ट की तैयार

नई दिल्ली। देश के 28 राज्यों के अलग-अलग जिलों और कस्बों में 11 जून से 7 अगस्त के बीच हेल्थ कैंप के आधार पर एनएमसी ने सर्वे कराया जिसकी रिपोर्ट जारी की गई है। इसमें 40,829 बच्चों में से 31 फीसदी एनीमिक से पीड़ित हैं। 38 फीसदी महिलाओं में यह बीमारी मिली है। 39 फीसदी गर्भवती महिलाओं और 19 फीसदी पुरुषों में एनीमिया की शिकायत पाई गई है। एनीमिया में रेड ब्लड सेल की संख्या में या हीमोग्लोबिन के स्तर में कमी हो जाती है। 2,73,656 परिवारों के 12,09,338 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। 1300 से ज्यादा हेल्थ कैंपस लगाए गए। 17 फीसदी में बीपी, 14 फीसदी में शुगर की समस्या पाई गई। कैंप में कुल 2.58 लाख लोगों को फायदा हुआ और 1.99 लाख को डोर स्टेप हेल्थ केयर की सुविधा दी गई। 4,61,831 में से 17 फीसदी लोगों को बीपी की शिकायत थी। 3,66,096 की ब्लड शुगर की जाच हुई, जिसमें से 14 फीसदी में यह शिकायत पाई गई। देश के 496 मेडिकल कॉलेजों के 85 फीसदी एमबीबीएस छात्रों ने इस कैंप में भाग लिया। नैशनल मेडिकल कमिशन (एनएमसी) ने 2023-24 से सभी एमबीबीएस छात्रों के लिए फैमिली अडॉप्शन प्रोग्राम लागू किया है। हर छात्र को अपनी पढ़ाई के दौरान एक फैमिली अडॉप्ट करनी होगी और उसके स्वास्थ्य की देखभाल खुद करनी होगी।

रानी लक्ष्मीबाई की मूर्ति को लेकर विवाद जारी, मंगलवार तक टली सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली के सदर बाजार इलाके में शाही ईदगाह के पास डीडीए के जमीन पर लगाई जा रही रानी लक्ष्मीबाई की मूर्ति को लेकर विवाद जारी है। शाही ईदगाह पार्क में प्रतिमा स्थापित करने के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में शाही ईदगाह प्रबंधन कमेटी की याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। इससे पहले कोर्ट ने कमेटी से माफी मांगने और विवादास्पद दलीलों को हटाने को कहा था। कमेटी के वकील का कहना है कि बिना शर्त माफी के साथ एक हलफनामा दायर किया गया था, लेकिन वह रिकॉर्ड में नहीं है। मामले की अगली सुनवाई मंगलवार को होगी। हाईकोर्ट ने कहा कि वरिष्ठ वकील ने कहा कि उन्होंने रजिस्ट्री में आवेदन के साथ हलफनामा दाखिल किया है। वे रिकॉर्ड में नहीं हैं, उसे रिकॉर्ड में लाया जाए। शाही ईदगाह मैनेजमेंट कमेटी ने दिल्ली हाईकोर्ट में बिना शर्त माफी के साथ हलफनामा दायर किया है। कमेटी ने शाही ईदगाह पार्क में रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा लगाने के खिलाफ याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने समिति की निंदनीय दलीलों के लिए उसे फटकार और कहा था कि समिति सांप्रदायिक दलीलें कर रही है। ईदगाह कमेटी ने कोर्ट में पिछली तारीख पर कहा था कि वह याचिका वापस ले रही है, लेकिन हाईकोर्ट ने पहले माफी मांगने को कहा था। इसके साथ ही एकल न्यायाधीश के खिलाफ लगाए गए आरोपों समेत निंदनीय दलीलों को हटाने के लिए आवेदन भी मांगा था, जिन्होंने उनकी याचिका को खारिज कर दिया था। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट को बताया गया कि माफी दायर की गई है, लेकिन रिकॉर्ड पर नहीं है। कमेटी ने कहा कि इस मामले में कोर्ट के आदेश के बाद माफीनामा रजिस्ट्री में जमा करा दिया गया है। दस्तावेजों को रिकॉर्ड पर लाने के लिए सुनवाई मंगलवार तक टाल दी गई है।

केंद्र की 4 स्टैंडिंग कमेटियों में कांग्रेस को बनाया अध्यक्ष

रक्षा मामलों की समिति के सदस्य होंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली।

केंद्र की एनडीए सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल में 24 डिपार्टमेंटल पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटियों का गठन किया है। वर्ष 2024-25 के लिए गठित समितियों में 4 समितियां ऐसी हैं जिसमें कांग्रेस को सर्वेसर्वा जिम्मेदारी सौंपी गई है। रक्षा मामलों की समिति में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सदस्य के रुप में शामिल किया गया है। बता दें कि हर एक समिति में राज्यसभा और लोकसभा दोनों के सदस्य शामिल हैं।कांग्रेस ने केंद्र सरकार से 6 स्टैंडिंग कमेटी की अध्यक्षता की मांगी थी, लेकिन उसे चार प्रमुख पैनलों की अध्यक्षता दी गई है। इसमें विदेश, शिक्षा, कृषि, ग्रामीण मामलों की समिति शामिल हैं। राहुल गांधी को रक्षा मामलों की समिति का सदस्य बनाया गया है। सोनिया गांधी का नाम किसी भी समिति में नहीं है। बीजेपी 11 समितियों की अध्यक्षता करेगी। टीएमसी और डीएमके के खाते में 2-2 समितियों की अध्यक्षता आई है। जबकि जेडीयू,टीडीपी,एसपी, शिवसेना (एकनाथ), एनसीपी (अजित) को एक-एक समिति की अध्यक्षता दी गई है। हर डिपार्टमेंटल पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी में 31 मेंबर्स होते हैं, जिसमें से 21 लोकसभा से और 10 राज्यसभा से चुने जाते हैं। इन सभी कमेटी का कार्यकाल एक साल से ज्यादा नहीं होता है।

सांसद समिति

भाजपा सांसद राधा मोहन सिंह (अध्यक्ष),कांग्रेस सांसद राहुल गांधी (सदस्य) रक्षा मामलों की समिति,कांग्रेस सांसद शशि थरूर (अध्यक्ष),भाजपा सांसद अरुण गोविल (सदस्य),असदुद्दीन ओवैसी (सदस्य)।

विदेश मामलों की समिति

कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी समिति,कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण संबंधी समिति, सपा सांसद रामगोपाल यादव स्वास्थ्य और परिवार कल्याण समिति,भाजपा सांसद निशिकांत दुबे (अध्यक्ष)।सदस्य- सपा सांसद जया बच्चन,शिवसेना (यूबीटी) प्रियंका चतुर्वेदी,बीजेडी सांसद सुष्मित पात्रा,कांग्रेस सांसद केटीएस तुलसी,भाजपा सांसद अनिल बलूनी,भाजपा, सांसद कंगना रनौत, भाजपा सांसद पूनम मादम,टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा।

संचार और सूचना प्रौद्योगिकी समिति

कांग्रेस सांसद सप्तगिरि शंकर उलाका ग्रामीण और पंचायती राज, भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब वित्त संबंधी समिति, बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर कोयला, खदान और इस्पात समिति, भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी जल संसाधन समिति, डीएमके सांसद तिरुचि शिवा उद्योग संबंधी समिति, भाजपा सांसद डॉ। राधा मोहन दास अग्रवाल गृह मामलों की समिति, टीएमसी सांसद डोला सेन वाणिज्य संबंधी समिति,भाजपा सांसद सी एम रमेश। रेल मामलों की समिति, एनसीपी (अजित) सांसद सुनील तटकरे।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस

टीडीपी सांसद मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी आवास और शहरी मामलों, शिवसेना (एकनाथ) सांसद श्रीरंग अप्पा चंदू बारने ऊर्जा संबंधी समिति,टीडीपी सांसद मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी आवास और शहरी मामलों की समिति,भाजपा सांसद भुवनेश्वर कालिता विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण समिति,जेडी(यू) सांसद संजय झापरिवहन, पर्यटन और संस्कृति समिति,भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई जलवायु परिवर्तन तथा श्रम संबंधी समिति,भाजपा सांसद पीसी मोहन सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता संबंधी समिति, भाजपा सांसद ब्रिज लाल कार्मिक, लोक शिकायत, विधि एवं न्याय समिति,डीएमके सांसद के।कनिमोझी उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण समिति।

चीन से विवाद..... 65 से बढ़ाकर 72 प्वाइंट्स पर पेट्रोलिंग करेगी सेना

नई दिल्ली ।

चीन के साथ सीमा विवाद के बीच भारत ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पूर्वी लद्दाख में पेट्रोलिंग प्वाइंट बढ़ा दिए हैं। सेना अब 65 से बढ़ाकर 72 प्वाइंट्स पर पेट्रोलिंग करेगी। एक रिपोर्ट में आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि विभिन्न स्थानों पर गश्त बढ़ा दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार कठिन मौसम की स्थिति और इलाके के बावजूद भारतीय सुरक्षा बल क्षेत्र पर अपना वर्चस्व सुनिश्चित कर रहे हैं।

पीपी-04 और पीपी-65 के बीच भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच तनाव कम होने के बाद नए पेट्रोलिंग क्षेत्र की पहचान हुई है। हालांकि दोनों देशों के बीच बफर की मौजूदगी के कारण इन नए गश्ती बिंदुओं तक पहुंचना मुश्किल है, लेकिन सूत्रों ने कहा कि प्रभावी गश्त सुनिश्चित करने के लिए मार्ग बनाए गए हैं। 2013-14 से भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच झड़पें और गतिरोध बढ़े हैं। 2020 में लद्दाख में गतिरोध के कारण हिंसक झड़पें हुईं। इसमें एक कर्नल सहित 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि तब से सुरक्षा बलों को नई तकनीक, ड्रोन, बुनियादी ढांचे, बलों के बीच बेहतर समन्वय और वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम (वीवीपी) का उपयोग करके एलएसी के साथ सीमावर्ती गांवों के विकास के लिए केंद्र की हालिया पहल से बेहतर तरीके से सुसज्जित किया गया है।

चीन के साथ 3488 किलोमीटर का बॉर्डर

भारत चीन के साथ 3,488 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। इसमें उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के बीच का मध्य क्षेत्र भारत की तरफ और तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र चीन की तरफ है। जबकि पूर्वी क्षेत्र अरुणाचल, सिक्किम और तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र चीन की तरफ है। लद्दाख चीन के साथ 1,597 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है, उसके बाद अरुणाचल (1,126 किलोमीटर) है।

दिल्ली में आप और कांग्रेस पार्षदों के बगैर हुए एमसीडी चुनाव

आप ने बताया असंवैधानिक और अवैध, यह बीजेपी की चाल

नई दिल्ली।

राजधानी दिल्ली में एक बार फिर आम आदमी पार्टी (आप) सरकार और दिल्ली एलजी के बीच टकराव देखने को मिला। शुक्रवार को दिल्ली नगर निगम में स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव के लिए दोपहर एक बजे मतदान शुरू हुआ, लेकिन एमसीडी के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है कि इस चुनाव में आप और कांग्रेस भाग नहीं ले रही हैं। ये चुनाव आप और कांग्रेस पार्षदों के बगैर ही कराया जा रहा है। बता दें कि दिल्ली में एमसीडी हाउस में स्टैंडिंग कमिटी चुनाव के लिए मतदान हुआ। यह चुनाव अतिरिक्त आयुक्त जितेंद्र यादव की अध्यक्षता में हुआ, जिन्हें मेयर और डिप्टी मेयर की अनुपस्थिति में प्रेज़ाइडिंग ऑफिसर बनाया गया है। आप इस चुनाव में हिस्सा नहीं ले रही है। उधर, आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) स्थायी समिति के चुनाव को असंवैधानिक और अवैध करार दिया है। आम आदमी पार्टी ने कहा कि चुनाव केवल 5 अक्टूबर को ही होंगे। हुआ यूं कि मेयर शैली ओबेरॉय ने गुरुवार को पार्षदों की तलाशी के दौरान हुए व्यवधान के कारण चुनाव को 5 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दिया था। बाद में उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने इस फैसले को पलटते हुए एमसीडी आयुक्त को शुक्रवार को दोपहर एक बजे चुनाव कराने का निर्देश दिया था।

अयोध्या, प्रयागराज और मथुरा के बड़े मंदिरों में बदली प्रसाद व्यवस्था

नई दिल्ली ।

तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसादम में कथित मिलावट सामने आने पर यूपी के मंदिरों में अलर्ट देखने को मिल रहा है। अयोध्या, प्रयागराज और मथुरा के बड़े मंदिरों की प्रसाद व्यवस्था और नियमों में भी बदलाव हो रहे हैं। अयोध्या मंदिर के मुख्य पुजारी ने बाहरी एजेंसियों से प्रसाद लेने पर बैन की मांग की। मथुरा मंदिर ने मिठाई की जगह फल-फूल अपनाने का फैसला किया। अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास ने बाहरी एजेंसियों द्वारा तैयार प्रसाद पर पूर्ण प्रतिबंध करने की मांग की। उन्होंने मंदिर के प्रसाद में इस्तेमाल होने वाले घी की शुद्धता पर चिंता जताकर आग्रह किया कि सभी प्रसाद मंदिर के पुजारियों की देखरेख में तैयार होना चाहिए। सत्येंद्र दास ने देशभर में बिक रहे तेल और घी की गुणवत्ता की गहन जांच की जरूरत पर जोर दिया है।

मथुरा में मिठाई की जगह फल-फूल

इधर, मथुरा में धर्म रक्षा संघ ने प्रसादम व्यंजनों की प्राचीन शैली पर वापस लौटने के अपने फैसले की घोषणा की। यानी अब मिठाइयों की जगह फलों, फूलों और अन्य प्राकृतिक सामग्रियों से बने प्रसाद को शामिल किया जाएगा। धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने प्रसादम प्रणाली में महत्वपूर्ण सुधारों की जरूरत पर बल देकर कहा, धर्म गुरुओं और संगठनों के बीच शुद्ध, सात्विक प्रसादम चढ़ाने और स्वीकार करने की पारंपरिक प्रथाओं पर लौटने पर सहमति बन गई है। वहीं, संगम नगरी प्रयागराज में अलोप शंकरी देवी, बड़े हनुमान और मनकामेश्वर सहित कई मंदिरों ने भक्तों को प्रसाद के रूप में मिठाई और बाहर से तैयार अन्य वस्तुएं लाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। वहीं ललिता देवी मंदिर के मुख्य पुजारी शिव मूरत मिश्रा ने कहा, मैनेजमेंट ने भक्तों से सिर्फ नारियल, फल और सूखे मेवे लाने का अनुरोध करने का निर्णय लिया है।

बड़े हनुमान मंदिर का प्रबंधन खुद बनाएगा प्रसाद

संगम तट पर स्थित बड़े हनुमान मंदिर के संरक्षक और श्रीमठ बाघंबरी गद्दी के प्रमुख महंत बलबीर गिरि जी महाराज ने कहा, कॉरिडोर का निर्माण पूरा होने के बाद मंदिर मैनेजमेंट खुद श्री बड़े हनुमान मंदिर के लिए लड्डू-पेड़ा प्रसाद तैयार करेगा।

महाराष्ट्र में 300 करोड़ रुपये का गबन करने का आरोपी मथुरा से साधु वेश में गिरफ्तार

मथुरा ।

महाराष्ट्र पुलिस की एक टीम ने मथुरा जिले के कृष्ण बलराम मंदिर के समीप वृंदावन पुलिस की मदद से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है जिसपर वहां (महाराष्ट्र में) करीब 300 करोड़ रुपये के गबन का आरोप है। स्थानीय पुलिस के मुताबिक इस व्यक्ति की पहचान महाराष्ट्र के बीड जिले के निवासी बबन विश्वनाथ शिंदे के रूप में हुई है। कृष्ण बलराम मंदिर को श्अंग्रेजों के मंदिरश् के नाम से भी जाना जाता है।

पुलिस अधीक्षक (नगर) डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि महाराष्ट्र के बीड जिले के उपनिरीक्षक एसएस मोरकुटे एवं सहायक उपनिरीक्षक तुलसीराम, बबन शिंदे (63) की गिरफ्तारी के लिए यहां आये थे और काफी खोजबीन के बाद वह अंग्रेजों के मंदिर के निकट साधु वेश में घूमता मिला। कुमार ने बताया कि छानबीन में जानकारी मिली कि शिंदे यहां करीब एक साल से साधु वेशभूषा में रह रहा था, जबकि महाराष्ट्र पुलिस की टीम उसे यहां मंदिरों, आश्रमों, होटल, गेस्ट हाउस आदि में तलाश रही थी। पुलिस अधीक्षक के अनुसार शिंदे भेष बदल कर रह रहा था। उन्होंने

बताया कि उन्होंने मथुरा पुलिस की अपराध शाखा एवं वृन्दावन पुलिस का सहयोग लिया तो वह जल्द ही मिल गया। पुलिस अधीक्षक के अनुसार महाराष्ट्र पुलिस ने नियमानुसार उसे बृहस्पतिवार को अदालत में पेश कर उसका 'ट्रांजिट रिमांड' हासिल किया और फिर उसे वापस महाराष्ट्र ले गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिंदे पर आरोप है कि उसने महाराष्ट्र के बीड जिले की 'जिजाऊ मां साहेब मल्टी स्टेट बैंक' में जमाकर्ताओं के तीन सौ करोड़ रुपये का गबन किया और वहां से फरार हो गया। उसके बाद वह साल भर से वृन्दावन आकर साधु के वेश में रह रहा था। उन्होंने बताया कि शिंदे के विरुद्ध बीड के अलावा महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में भी गबन के कई मामले दर्ज हैं जिनमें वह वांछित चल रहा था।

राजस्थान के ब्यावर जिले का देवमाली गांव सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव पुरूस्कार से सम्मानित

नई दिल्ली ।

राजस्थान के ब्यावर जिले के देवमाली गांव को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर भारत सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव पुरूस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार ब्यावर के तत्कालीन जिलाधीश उत्सव कौशल और देवमाली गांव की सरपंच पूजा गुर्जर जी ने ग्रहण किया।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित पुरस्कार समारोह में देवमाली गांव को यह पुरस्कार समुदाय आधारित पर्यटन श्रेणी में दिया गया। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़, केंद्रीय मंत्री, संस्कृति एवं पर्यटन गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय मंत्री, नागरिक विमानन किंजरापु राममोहन नायडू, केंद्रीय राज्य मंत्री पर्यटन सुरेश गोपी सहित पर्यटन मंत्रालय के अधिकारी भी मौजूद थे।

भारत के गांवों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 2023 में सर्वश्रेष्ठ गांव प्रतियोगिता शुरू की गई थी। इस प्रतियोगिता के दूसरे संस्करण 2024 में 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कुल 991 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें 8 श्रेणियों के अंतर्गत 36 गांवों को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव प्रतियोगिता 2024 में सम्मानित किया गया।

इस सम्मान समारोह में इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य उन गांवों को चिन्हित और पुरस्कृत करना है जो पर्यटन के क्षेत्र में समुदाय आधारित मूल्यों के माध्यम से सांस्कृतिक और प्राकृतिक संपत्तियों का संरक्षण और पोषण करते हैं।

राजस्थान के अजमेर से सटे ब्यावर जिले में स्थित देवमाली जो देवनारायण भगवान की भूमि कहलाता है। इस गांव की संस्कृति और यहां का जनजीवन ही इसे यह पुरस्कार दिलाने में मददगार साबित हुआ। बताया जाता है कि इस गांव की करीब 3000 बीघा जमीन पर सालों से यहां के लोग रहते हैं इसके बावजूद किसी के पास जमीन के मालिक आना हक से जुड़े कोई भी दस्तावेज नहीं है। गांव वालों के मुताबिक गांव की जमीन भगवान देवनारायण को समर्पित है इसलिए इस जमीन के मालिक भी वही है।

इस गांव के लोग भगवान देवनारायण के सच्चे भक्त हैं और अपने देवता को वचन दिया है कि गांव में कोई पक्का घर नहीं बनाएगा। इस गांव में हर घर मिट्टी का बना है जिसकी छतें छप्पर की है और यहां कोई भी मांसाहारी भोजन और मद्यपान नहीं करता है। इसके अलावा इस गांव में केरोसिन तेल और नीम की लकड़ी जलाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध है। इस गांव के लिए यह भी कहा गया है कि यहां कई दशकों से चोरी या डकैती का कोई मामला नहीं हुआ है। भगवान देवनारायण को समर्पित पहाड़ी की चोटी पर स्थित मंदिर बहुत लोकप्रिय स्थल है जिसमें हर साल लाखों पर्यटक मंदिर में आते हैं। स्थानीय गांव वालो के अनुसार कई साल पहले जब भगवान देवनारायण गांव में पहुंचे तो उन्होंने स्थानीय समुदाय से रहने के लिए जगह मांगी। समुदाय ने उनके लिए एक स्थानीय घर बनाया साथ ही यह भी तय किया कि वह कभी भी अपने लिए स्थाई घर नहीं बनाएंगे। यही कारण है कि यहां के घरों के

निर्माण में किसी भी कंक्रीट या धातु की छड़ का उपयोग नहीं किया जाता है। गांव में एकमात्र स्थाई संरचनाओं सरकारी भवन और मंदिर है इस गांव का रहन-सहन देश के अन्य हिस्सों से काफी अलग है जो इसे पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बदलती लाइफ स्टाइल से नींद की कमी एक बड़ी चुनौती

(लेखक - दिलीप कुमार पाठक)

स्वस्थ शरीर के लिए विशेषज्ञ स्लीप साइकल को ठीक रखने पर विशेष जोर देते हैं, इसमें सोने-जागने के निर्धारित समय और नींद की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी जाती है नींद की गुणवत्ता का संपूर्ण स्वास्थ्य पर असर देखा जा सकता है। तमाम अध्ययनों में पाया गया है कि जिन लोगों की नींद पूरी नहीं होती है, उनमें कई प्रकार की गंभीर बीमारियों के विकसित होने का जोखिम अधिक होता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं नींद की गुणवत्ता के साथ इसकी अवधि का ख्याल रखना भी बहुत आवश्यक है, अक्सर लोगों की स्लीप साइकल में एक बड़ी समस्या देखी गई है, कई लोगों को रात में देर तक जगने की आदत होती है। यह आदत भले ही सामान्य लगती हो, पर सेहत पर इसके कई प्रकार से नकारात्मक असर हो सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को रात में 6-8 घंटे की नींद लेने की सलाह दी जाती है। इसके लिए रात में 10 से सुबह 6 बजे तक सोने के समय को सबसे गुणवत्तापूर्ण नींद वाला माना जाता है, हालांकि अक्सर देखने को मिलता है कि अधिकतर लोग रात में 12-1 बजे सोते हैं। यह आदत आपकी स्लीप साइकल को बिगाड़ देती है, जिससे नींद पूरी न होने के कारण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के विकसित होने का खतरा हो सकता है। देर से सोने वाले लोगों में स्वाभाविक रूप से सुबह देर से उठने की भी आदत होती है, इस कारण से अक्सर ऐसे लोगों के लिए सुबह के समय व्यायाम कर पाना कठिन हो जाता है। हेल्थ प्रमोशन एंड क्रॉनिक डिजीज प्रिवेंशन जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि देर से सोने वाले लोगों में अन्य लोगों की तुलना में गतिहीन जीवनशैली की समस्याएं भी अधिक देखने को मिलती हैं, जिसका संपूर्ण सेहत पर बहुत नकारात्मक असर हो सकता है।

आजकल नींद की कमी से परेशानियां बहुत आम हो गई हैं। ख़ासकर युवाओं में डिप्रेशन अवसाद की बीमारियां डेरा जमा चुकी हैं। देश में युवाओं का एक बड़ा वर्ग अवसाद से ज्यादा परेशान है। जिन्हें इसकी समस्या होती है, ऐसे लोग अपनी तरह की दुनिया बना लेते हैं..। हमारे आसपास के लोग समझ नहीं पाते..। मेरा मानना है पहले आप अपनी जरूरतें पूरी करिए फ़िर आप ज़माने के लिए सोचिए जब आपके अंदर ही एक कोलाहल है तो आप दुनिया के लिए क्या ही लड़ पाएंगे! मुझे सम्बन्धित व्यक्ति के बारे में ज़्यादा पता नहीं है लेकिन इस उम्र में डिप्रेशन का कारण ज्यादातर भविष्य की चिंता ही होती है। सबसे पहले आप खुद को स्थायित्व दीजिए बाद में ज़माने के लिए सोचिए। अभी कुछ दिनों पहले पढ़ा इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ग्राहम थोर्प ने डिप्रेशन की वज़ह से आत्महत्या कर ली। भला इंग्लैंड के इतने बड़े क्रिकेटर को ऐसी क्या समस्या थी कि उन्होंने खुद को ऐसे खत्म कर दिया?? जाहिर है अंदर एक कोलाहल रहा होगा जो उन्हें अपने साथ ले गया..। वैसे भी पैसे ज़रूरतों से ज़्यादा मानसिक सुकून बहुत आवश्यक है। मैंने बहुत सालों से अनुभव किया है, हमारे समाज में या दुनिया में जिस तरह की लाइफस्टाइल को लेकर आकर्षण है, मुझे लगता है कुछ सालों बाद आधी दुनिया अवसाद में होगी। आज हर तीसरा आदमी अपनी टेंशन में डूबा हुआ है। एक-दूसरे से आगे निकलने की जद्दोजहद, असीमित सामाजिक दबाव...अवसाद के कई कारण होते हैं, लेकिन नींद की कमी भी एक महत्वपूर्ण कारण है। अब आधी दुनिया रात में सोती नहीं है, जबकि बहुत आवश्यक हो तो हो देर रात जागना चाहिए। वैसे भी नींद का जीवन में अपना एक महत्व होता है, इसके दुष्प्रभाव जल्दी पहिचान में नहीं आते, बल्कि धीरे-धीरे नींद की कमी गम्भीर समस्या बन जाती है ; और आज आधी से ज़्यादा युवाओं की आबादी इसकी गिरफ़्त में है। अब तो देर रात तक जगने का फैशन बन चुका है। रात में जागने के बाद जिम जाकर शरीर फुलाने से क्या हासिल होता है?? योग व्यायाम की जगह जिम करने की अंधी दौड़ भी युवाओ को परेशानी में डाल रही है। सेहत को लेकर ऐसी लापरवाही कई बीमारियों को जन्म देती हैं स्वस्थ

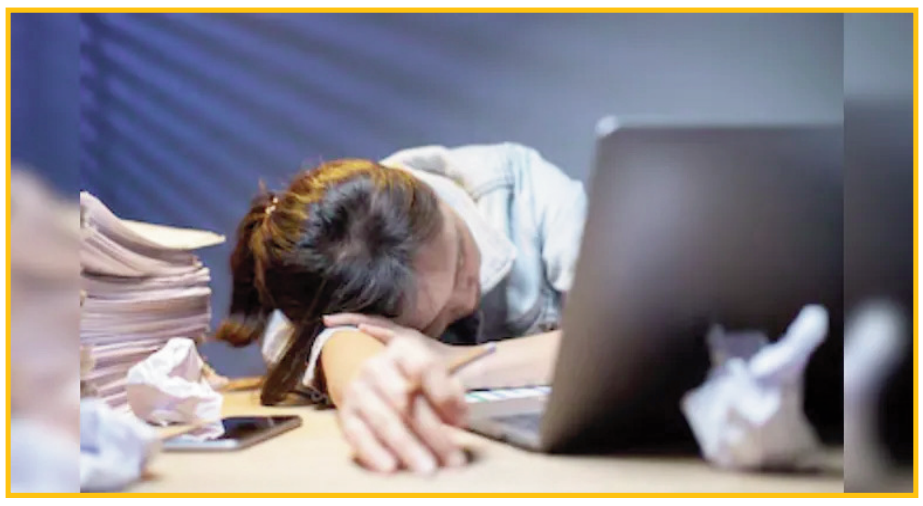

रहने के लिए कम से कम 7-8 घंटे की नींद सोना चाहिए। इससे कम सोने वाले लोगों को मोटापा, चिड़चिड़ापन, सिरदर्द आदि की समस्याओं से जूझना पड़ता है अगर आप भी ये गलती करते हैं, तो आपको बता दें कि आप अपनी सेहत के साथ कितना बड़ा खिलवाड़ कर रहे हैं। पर्याप्त नींद नहीं लेने से आयु कम होती है।

दक्षिण कोरिया में 16 सालों तक किए गए एक शोध के अनुसार जो लोग रात में ज्यादा देर जागना पसंद करते थे, उन्हें कम उम्र में ही अपनी जान से हाथ गंवाना पड़ा। जो लोग रात में ज्यादा देर तक जागते हैं, उन्हें मेमोरी लॉस, डिसीजन मेकिंग आदि में समस्या का सामना करना पड़ता है। देर से सोने वाले लोगों में मूड स्विंग भी देखे जा सकते हैं।

मैंने अब तक बहुत से चिकित्सकों से परामर्श लिया है, उन्होंने जिम जाने की बजाय योग, व्यायाम को सही बताया है। जबकि जिम जाने के अनेकों साइड इफेक्ट हैं। अतः सबसे पहले अपनी दिनचर्या में परिवर्तन करते हुए रात में जल्दी सो जाएं रात सोने के लिए ही बनाई गई है, सुबह सूरज उगने से पहले उठ जाएं, सुबह योग, व्यायाम करने के बाद जल्दी नहाकर फ्रेश हो जाएं..उगते हुए सूरज को देखिए, सुबह चिड़ियों को देखिए, डिप्रेशन से आप पूर्णतः विजयी तो नहीं होंगे फ़िर भी आप आगे के लिए खुद को बेहतर कर पाएंगे। जब आपका मूड फ़्रेश होगा तो आप कुछ भी हासिल कर सकते हैं। जो अच्छा लगे वो कीजिए। समाने वाला जो करता है वही मुझे करना है इस धारणा से खुद को बचाकर रखिए..। अगर ये रात में अनावश्यक जागने का फैशन ट्रेंड में रहा तो देखिएगा दुनिया की आधी आबादी स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानियों से घिरी होगी। और यह समस्या बड़ी विकराल होगी...नींद की कमी से भी अवसाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

अपने घर परिवार आसपास लोगों को बताइए नींद का महत्व समझाएं, मैं ऐसे कितने लोगों को जानता हूँ जो रात में अनावश्यक जगते रहते थे, मेरे समझाने के बाद जल्दी सोने लगे हैं, योग, व्यायाम को तरजीह देने लगे हैं.। हालांकि कईयों के अवसाद का कारण आंतरिक समस्याएं भी हो सकती हैं, अतः आप चिकित्सकों का मार्गदर्शन लें, क्योंकि अवसाद को पूरी तरह से ठीक करने के लिए डॉक्टर की आवश्यकता होती है.

दक्षिण कोरिया में 16 सालों तक किए गए एक शोध के अनुसार जो लोग रात में ज्यादा देर जागना पसंद करते थे, उन्हें कम उम्र में ही अपनी जान से हाथ गंवाना पड़ा। जो लोग रात में ज्यादा देर तक जागते हैं, उन्हें मेमोरी लॉस, डिसीजन मेकिंग आदि में समस्या का सामना करना पड़ता है। देर से सोने वाले लोगों में मूड स्विंग भी देखे जा सकते हैं।

संपादकीय

त्योहार पर लापरवाही

किसी पर्व के अवसर पर कोई अकाल मौत दुखी ही नहीं करती, बल्कि विचलित कर देती है। बिहार में जीवित्पुत्रिका या जितिया या जीउतिया का व्रत-पर्व बहुत धूमधाम से मनाया जाता है और माताएं अपने बच्चों को लेकर नदियों-सरोवरों के तट पर जाती हैं, जहां स्नान, ध्यान, दान की परंपरा श्रद्धापूर्वक निभाई जाती है, पर ऐसे पावन अवसर पर बिहार भर में डूबने की अलग-अलग घटनाओं में करीब पचास मौतों ने झकझोर कर रख दिया है। जान गंवाने वालों में 36 से ज्यादा बच्चे हैं, सात महिलाएं हैं और बाकी पुरुष। यह पहली बार है कि जीवित्पुत्रिका के अवसर पर ऐसी त्रासदी हुई है। पूर्वी और पश्चिमी चंपारण, औरंगाबाद, कैमूर, बक्सर, सीवान, रोहतास, सारण, पटना, वैशाली, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, गोपालगंज और अरवल जिलों से डूबने की घटनाएं सामने आई हैं। एक जैसी स्थितियों के चलते इतनी मौतें हुई हैं और मौत के कारणों के विस्तार में जाना चाहिए और तभी हम जान सकेंगे कि ऐसा क्या गलत हुआ और इससे कैसे बचा जा सकता है। यह अच्छी बात है कि राज्य सरकार तत्काल चार-चार लाख रुपये की मुआवजा राशि देने में जुट गई है, मगर इस बात का मौका मुआयना जरूर करना चाहिए कि घाटों पर क्या इंतजाम थे? क्या सुरक्षा के जरूरी इंतजामों की अनदेखी हुई है? निस्संदेह, बिहार के आपदा प्रबंधन विभाग (डीएमडी) का काम बढ़ गया है। केवल मुआवजा बांट देने से काम पूरा नहीं हो जाएगा। यह अच्छी बात है कि डीएमडी ने खोज और बचाव कार्यों के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल अर्थात एनडीआरएफ और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की कई टीमों को लगाया है। बचाव कार्य की सराहना होनी चाहिए, मगर जिन लोगों ने लापरवाही बरती है, उन पर शिकंजा भी कसना चाहिए। पूरब के व्रत-पर्व में अनेक मौके आते हैं, जब नदियों के पास जाने की अनिवार्यता होती है। आजकल नदियों में पानी बढ़ा हुआ है और तटों की सीमारेखा ही नहीं, रूपरेखा भी बिगड़ी हुई है। ऐसे में, उफनती नदियों के पास क्या लोगों को बड़ी संख्या में जाने देना चाहिए था? जहां यदा-कदा सेतु बनते ही टूट जाते हों, वहां तटों-घाटों की गुणवत्ता की चर्चा भला कैसे की जाए? यह प्रश्न सहज ही उभरता है, जब तट-घाट सुरक्षित नहीं थे, तब बच्चों को उनके निकट क्यों जाने दिया गया और क्यों नहाने के लिए असुरक्षित छोड़ दिया गया? पर ध्यान रहे, दोष केवल सरकारी अधिकारियों का नहीं है। घाट के पास गए लोगों को भी सोचना चाहिए कि जान बड़ी है या कर्मकांड? व्रत-पर्व का अर्थ कतई यह नहीं कि जान को खतरे में डाल दिया जाए। काश! लोग ही अपने स्तर पर तटों-घाटों की सुरक्षा सुनिश्चित कर पाते। छठ के समय लोग आगे बढ़कर स्वयं घाटों को सुरक्षित बनाते हैं, पर जितिया के अवसर पर भयंकर लापरवाही हो गई। व्रत के नाम पर जान से खेलने का दाग लग चुका है। अच्छे से पता है कि जितिया का व्रत माताएं अपने बच्चों के लिए ही करती हैं, ताकि बच्चे स्वस्थ रहें, उन्हें लंबा जीवन मिले, पर यह चिंता जितिया के अवसर पर कहां चली गई? यह सवाल अब लंबे समय तक पीछा करेगा और करना भी चाहिए। यह त्रासदी इशारा है कि विशेष रूप से माता-पिता की सोच में सुधार-बदलाव जरूरी है। पारिवारिक और सामाजिक अनुशासन जरूरी है, ताकि सावधानी हटी और दुर्घटना घटी की नौबत न आने पाए। जीवन सिर्फ साहस-दुस्साहस नहीं है, सावधानी भी है।

स्व का जागरण - भारत के स्वत्व के संदर्भ में

लेखाराम बिश्नोई
लेखक विचारक

भारत एक महान संस्कृति की धरोहर अपने अंदर संजोए हुए हैं। जिसने वैदिक काल से आत्मा और आत्म जागरण को महत्व दिया है। 'स्व का जागरण' यानी आत्म बोध एक आध्यात्मिक पद्धति है। जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने मान बिन्दुओं, आस्था केन्द्रों, अपने पूर्वजों से जुड़कर, अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानता है। अपने वास्तविक अस्तित्व मूल स्वभाव और जीवन के उद्देश्य को समझता है। भारतीय दर्शन में, धर्म, योग और दर्शन के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति के भीतर एक दिव्य शक्ति होती है। जिसे जानना और अनुभव करना स्व जागरण कहलाता है। यह प्रक्रिया न केवल व्यक्तिगत जीवन के विकास का समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है। बल्कि समाज और राष्ट्र के उत्थान में सहायक होती है।

वैदिक और उपनिषदिक काल से स्व जागरण को जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य माना गया। आत्मज्ञान, ब्रह्मविद्या, ध्यान, साधना, तपस्या और योग मार्ग सूझाए गए।

आधुनिक भारत में भी स्व का जागरण और आत्म बोध की महत्वपूर्ण परंपरा रही है। रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, श्री अरविंद और अन्य संतों ने भी भारतीय समाज में स्व-जागरण के महत्व को बताया। महात्मा गांधी ने स्व-जागरण को 'स्वराज' के साथ जोड़ा जो आत्मनिर्भरता और स्व से जुड़ने की भावना है।

'स्व भाषा' स्व भाषा व्यक्ति को सांस्कृतिक धरोहर, परंपरा और जीवन मूल्यों से जोड़ती है। भारत में संस्कृत, हिंदी, तमिल, बंगाली, मराठी और अन्य भारतीय भाषाएं इस संदर्भ में 'स्व भाषा' का प्रतीक है। इसके साथ ही प्राकृत, पाली, तमिल, तेलुगू जैसी भाषाओं ने भी साहित्य, विज्ञान और दर्शन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में 'स्व भाषा' का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। राष्ट्रीयता की सच्ची भावना मातृभाषा में प्रकट होती है। इस कारण स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में साहित्य रचा गया। जिसने जनजागृति और स्वराज की भावना को प्रोत्साहित किया। आज के आधुनिक समय में वैश्वीकरण और अंग्रेजी के बढ़ते प्रभाव के बीच मातृभाषा का जागरण और अधिक प्रासंगिक हो गया है।

'स्व वेशभूषा' भारतीय वेशभूषा केवल परिधान मात्र नहीं है। यह हमारी वैदिक संस्कृति, इतिहास, परंपरा और जीवनशैली का संवाहक रही है। भारतीय समाज जीवन में वेशभुषा न केवल सौंदर्य और आकर्षक का हिस्सा है, बल्कि इसका सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व भी है। यहां की वेशभूषा की एक बड़ी विशिष्टता, आर्थिक रूप से हथकरघा उद्योग और वस्त्र उद्योग के रूप में विश्व विख्यात रही है। हर राज्य की अपनी विशेष वेशभूषा है, जो उसके गौरव और पहचान का हिस्सा है। जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। जिसे संजोए रखना हमारी जिम्मेदारी है।

'स्वराज' एक राष्ट्र समाज की अपनी शासन व्यवस्था होनी चाहिए। भारत में स्वराज की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि रही है। वैदिक काल से जनपद और गणराज्य जैसी व्यवस्थाएं थी। जहां जनता को शासन चुनने और शासन में भागीदारी निभाने का अवसर था। यह शासन व्यवस्था लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित थी। गांधी जी के स्वराज में भी विकेंद्रीकृत शासन व्यवस्था, ग्राम स्वराज की महत्वपूर्ण भूमिका थी। स्वराज केवल राजनीतिक अवधारणा नहीं है, बल्कि आत्मनिर्भरता, समानता और जन भागीदारी का प्रतीक है। भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली ने स्वराज को वास्तविकता में बदलने का प्रयास किया है। इस यात्रा में शिक्षा, जागरूकता और विकेंद्रीकरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जिससे भारत एक सशक्त आत्मनिर्भर और समग्र राष्ट्र के रूप में उभर सकेगा।

'स्वदेशी' भारतीय राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्वदेशी की अवधारणा एक प्रमुख सिद्धांत के रूप में उभरी। जिसका उद्देश्य विदेशी वस्त्रों और वस्तुओं का बहिष्कार कर भारतीय उत्पादों का समर्थन करना था। स्वदेशी का अर्थ है, स्थानीय आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना। परंतु स्वदेशी केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता तक सीमित नहीं है। यह हमारी सांस्कृतिक और सामाजिक धरोहर की संवाहक भी है। स्वदेशी और स्व जागरण अपने आप में स्वभाषा, स्व संस्कृति, स्व वेशभूषा, और स्वराज आदि महान ऋषि परंपरा की धरोहर है। जो व्यक्तिगत आचरण द्वारा समाज जीवन के व्यवहार से एक राष्ट्र के समृद्ध जीवन का धोतक होती है। यही स्व जागरण का भाव है। इसी स्व जागरण के भाव ने भारतीय संस्कृति को चिर स्थाई रखा है।

(चिंतन-मनन)

गुरु की स्वीकार्यता

हर वक्त संसार को गुरु की दृष्टि से देखो। तब यह संसार मलिन नहीं बल्कि प्रेम, आनन्द, सहयोगिता, दया आदि गुणों से परिपूर्ण, अधिक उत्सवपूर्ण लगेगा। तुम्हें किसी के साथ संबंध बनाने में भय नहीं होगा क्योंकि तुम्हारे पास आश्रय है। घर के अन्दर से तुम बाहर के वज्रपात, आंधी, वर्षा व कड़ी धूप देखोगे। भीतर वातानुकूलित व्यवस्था है- शीतल और शान्त। बाहर गर्मी और अशांति है पर तुम परेशान नहीं होते, क्योंकि कुछ भी तुम्हें बेचैन और विचलित नहीं कर सकता। कोई तुम्हारी पूर्णता नहीं छीन सकता। यही है गुरु का उद्देश्य। संसार के सभी संबंध उलट-पुलट हो जाते हैं। संबंध बनते हैं और टूटते हैं। यहां राग भी है, द्वेष भी। यही संसार है। पर गुरु कोई संबंध नहीं, गुरु की मौजूदगी होती है। गुरु का सान्निध्य अनुभव करो। गुरु को अपने संसार का अंश मत बनाओ। संसार का हिस्सा बनाते ही, वही अप्रिय भावनाएं उठती हैं- उन्होंने ऐसा कहा, उन्होंने ऐसा नहीं कहा, वह उनका अधिक प्रिय है, मैं नहीं हूं। जीवन में गुरु का सान्निध्य सभी संबंधों में पूर्णता लाता है। यदि गुरु के निकट अनुभव नहीं कर रहे, तो यह तुम्हारे मन, धारणा, अहंकार के कारण है। जो कुछ भी महत्वपूर्ण है, अंतरंग है, उसे गुरु के साथ बांटो। जो तुम्हारे लिए महत्वपूर्ण है, आंतरिक है, जब तक तुम उसे गुरु को नहीं व्यक्त करते, तब तक निकटता का अनुभव नहीं कर सकते। आप कैसे हैं? गुरु से हृदय खोलकर मन की गहराइयों में समाई अपने जीवन की आंतरिक व महत्वपूर्ण बातें करो। महत्वहीन या सांसारिक बातें न करो। यदि तुम गुरु के साथ निकटता अनुभव नहीं कर रहे, तो गुरु की आवश्यकता ही क्या है? वह तुम्हारे लिए केवल एक और बोझ है। बस, उसे अलविदा कह दो। तुम गुरु के साथ हो ताकि तुम गुरु के आनन्द में सहभागी हो, उनकी चेतना के सहभागी। इसके लिए पहले तुम्हें अपने आप को खाली करना है, जो पहले से है, उसे गुरु को दे देना है। मन में जितना भी कूड़ा हो, किसी भी प्रकार का, गुरु लेने के लिए तैयार हैं। तुम जैसे भी हो, गुरु तुम्हें स्वीकार कर लेंगे। वे अपनी ओर से बांटने को तैयार हैं- तुम्हें केवल अपनी ओर से तैयार होना है।

विचार मंथन

सुसाइड कैप्सूलः आत्महत्या या इच्छा मृत्यु की वैधानिक सुविधा

(लेखक - सनत जैन)

हाल ही में स्विट्जरलैंड में सुसाइड कैप्सूल के माध्यम से आत्महत्या ने पूरी दुनिया में एक गहरा विवाद खड़ा कर दिया है। इस कैप्सूल का निर्माण नीदरलैंड्स की कंपनी ने किया है। यह केप्सूल स्विट्जरलैंड के मरियानेज की बुडलेरी स्ट्रीट के पास स्थित है। एक 64 वर्षीय अमेरिकी महिला की इच्छा मृत्यु ने इस आत्महत्या और कैप्सूल को चर्चाओं में ला दिया है। क्या ऐसे उपकरणों का उपयोग मानवीय मूल्यों और नैतिकता के अनुकूल है। सुसाइड कैप्सूल एक उन्नत तकनीकी उपकरण है। जिसमें इच्छामृत्यु की इच्छा करने वाला व्यक्ति स्वेच्छा से कैप्सूल के भीतर बैठ जाता है। दरवाजा बंद कर एक बटन दबाते ही कुछ मिनटों के भीतर कैप्सूल में नाइट्रोजन गैस फैल जाती है। जिससे व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। इस तरह से मृत्यु बिना किसी दर्द या पीड़ा के होती है। इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है। जो जल्द और शांतिपूर्ण ढंग से जीवन को समाप्त कर देता है। अमेरिकी मे महिला की मृत्यु के बाद स्विट्जरलैंड की पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस का दावा है, कंपनी के कुछ अधिकारियों और सेवा से जुड़े व्यक्तियों ने महिला को शांतिपूर्ण ढंग से आत्महत्या के लिए प्रेरित किया था। इस घटना के बाद नैतिकता,कानून,और चिकित्सा क्षेत्र में इच्छा मृत्यु को लेकर गहरी बहस छिड़ गई है। स्विट्जरलैंड में इच्छामृत्यु को कानूनी मान्यता प्राप्त है। परंतु इस मामले ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। दुनिया के अधिकांश देशों में इसे वैध नहीं माना है। विशेषज्ञों का कहना है, ऐसे उपकरणों के प्रयोग के लिए कठोर कानूनी और नैतिक दिशा निर्देश आवश्यक हैं। जीवन समाप्त करने का यह माध्यम उन मरीजों के लिए सहायक हो सकता है। जो गंभीर पीड़ा और लाइलाज बीमारियों से जूझ रहे हैं। स्विट्जरलैंड की इस घटना ने पूरे विश्व में इच्छा मृत्यु को लेकर नई बहस को जन्म दिया है। कुछ लोग इसे मानवीय और चिकित्सा दृष्टि से उचित ठहराते हैं। वहीं दूसरी ओर इसे अनैतिक और गैरकानूनी मानते हैं। सरकारों और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े जिम्मेदरों को इस विषय पर स्पष्टता से समग्र निर्णय लेने की आवश्यकता है। पिछले 4 दशक मे चिकित्सा के क्षेत्र में व्यवसायिकता देखने को मिल रही है। कृत्रिम उपचार के माध्यम से किसी तरह से बीमार व्यक्ति को लंबे समय तक जिंदा रखा जाता है। इस प्रक्रिया में उसे शारीरिक और मानसिक कष्ट से गुजारा जाता है। किसी भी दृष्टि से उसे जीवित रखा जाता है। चार दशक पहले चिकित्सक इस तरह के मामले में स्वाभाविक प्रक्रिया के तहत मरीज को प्राकृतिक तरीके से देखरेख और उपचार करके उसे जिंदा रखने की कोशिश करते थे। शारीरिक संरचना में जब मरीज भोजन करने में असमर्थ हो जाए, औषधि का उसके ऊपर असर खत्म हो जाए, बीमारी से निजात पाने की कोई संभावना न हो। ऐसी स्थिति में प्राकृतिक मृत्यु की क्रिया से गुजरा जाता था। इसमें शरीर को असाध्य कष्ट नहीं होता था। पिछले 4 दशकों में जो उपकरण चिकित्सा के क्षेत्र में उपयोग में लाये जा रहे हैं। कुछ ऐसी औषधि हैं जो शरीर के किसी एक अंग को लंबे समय तक जिंदा रख पाती है। उसके सहारे मरीज को शारीरिक और मानसिक कष्ट से अस्पतालों में गुजरा जाता है। मरीज के परिवार जनों से इलाज के नाम पर काफी पैसा अस्पतालों द्वारा कमाई की जाती है। भारत जैसे देश में साधु-संतों और जैन धर्म के लोगों में समाधि और संलेखना के माध्यम से इच्छा मृत्यु का चलन है। इस तरह की इच्छा मृत्यु से बाहरी शारीरिक कष्ट नही होता है।

शारीरिक रूप से जो शरीर ग्रहण कर सकता है। उसको लेते हुए वह धीरे-धीरे शरीर को निष्क्रीय करते हुए स्वाभा विक मृत्यु का वरण करता है। भारत में स्वाभा विक प्राकृ तिक मौत की यह प्रक्रिया घर-घर में प्रच लित थीऍ जब भी कोई असाध्याय बीमारी से ग्रसित होता था, उम्र पूरी हो जाने के बाद जब शारीरिक अंग कमजोर हो जाते थे। तब स्वाभाविक रूप से बिना किसी कष्ट के मृत्यु के वरण करने का तरीका भारत में विकसित था। पिछले कुछ वर्षों में चिकित्सा के क्षेत्र में जो लूट देखने को मिल रही है। उपकरणों की सहायता से मरीज को असाध्य कष्ट पहुंचाते हुए कृत्रिम रूप से लंबे समय तक जिंदा रखने की कोशिश की जाती है। वह पूरी तरह से अब अव्यवहारिक, क्रूर एवं अप्राकृतिक है। सुसाइड कैप्सूल समस्याओं को और बढ़ाएगा। हताश लोगों को आसानी से मृत्यु का एक माध्यम मिल जाएगा।

ओला ई-स्कूटर एस1, एक्स 2केडब्ल्यूएच को मिला पीएलआई प्रमाणन

नई दिल्ली । ओला इलेक्ट्रिक के इलेक्ट्रिक स्कूटर एस1 एक्स 2केडब्ल्यूएच को उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत पात्रता आवश्यकताओं के तहत अनुपालन प्रमाणपत्र हो सिल हो गया है। ओला इलेक्ट्रिक ने कहा कि इसके साथ ही कंपनी के पास अब दोपहिया वाहनों में पांच उत्पाद हैं जो पीएलआई योजना के तहत प्रमाणित हैं। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा` कि उत्पाद के लिए पीएलआई प्रमाणन प्राप्त करना हमारी एकीकृत विनिर्माण शक्ति की पुष्टि करता है, जो भारत के इलेक्ट्रिक वाहन लक्ष्य को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रवक्ता ने कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी मोटर वाहन पीएलआई योजना एक बड़ा परिवर्तनकारी कदम रही है। इसने विनिर्माताओं को स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ाने, घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और व्यापक आर्थिक वृद्धि हासिल करने में कंपनियों की सहायता करने के लिए प्रेरित किया है।

डीएचएल एक्सप्रेस की जनवरी से पार्सल डिलीवरी महंगी होगी

मुंबई । लॉजिस्टिक्स कंपनी डीएचएल एक्सप्रेस ने अगले साल एक जनवरी से भारत में पार्सल डिलीवरी की कीमतों में लगभग 6.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने पर विचार कर रही है। डीएचएल ने कहा कि मुद्रास्फीति तथा मुद्रा गतिशीलता के साथ-साथ नियामक व सुरक्षा उपायों से संबंधित प्रशासनिक लागतों को ध्यान में रखते हुए वार्षिक आधार पर वैश्विक स्तर पर बाजारों में कीमतों को समायोजित किया जाता है। कंपनी बयान के अनुसार डीएचएल एक्सप्रेस ने मूल्य समायोजन की घोषणा की है जो एक जनवरी 2025 से प्रभावी होगा। भारत में औसत (मूल्य) वृद्धि 6.9 प्रतिशत होगी।

एनबीसीसी को आईआईआईटी नागपुर के अतिरिक्त निर्माण का ठेका मिला

नई दिल्ली । एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड को नागपुर में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के अतिरिक्त बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए 75 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि उसे नागपुर में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) के अतिरिक्त बुनियादी ढांचे के निर्माण तथा विकास के लिए एक परियोजना का ठेका मिला है। बयान के अनुसार, 75 करोड़ रुपये की अनुमानित परियोजना लागत के साथ यह शहर से करीब 25 किलोमीटर दूर स्थित आईआईआईटी नागपुर में शैक्षणिक सुविधाओं को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

प्रताप स्नैक्स में 46.85 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेंगी ऑथम और माही मधुसूदन

नई दिल्ली । ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर और माही मधुसूदन केला मिलकर प्रताप स्नैक्स में 46.85 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेंगे। प्रताप स्नैक्स, अल्पाहार (स्नैक) ब्रांड येलो डायमंड और स्वीट स्नैक्स ब्रांड रिच फीस्ट का परिचालन करती है। कंपनी ने शेयर बाजार को शुक्रवार को बताया` कि कंपनी ने अपने तीन निजी इक्विटी प्रवर्तकों से 846.60 करोड़ रुपये के सौदे में 46.85 प्रतिशत शेयर हासिल करने के लिए प्रवर्तकों के साथ शेयर खरीद समझौता किया है। प्रवर्तक पीक एक्सवी पार्टनर्स ग्रोथ इन्वेस्टमेंट्स-1, पीक एक्सवी पार्टनर्स ग्रोथ इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स-2 और सिकोइया कैपिटल जीएफआईवी मॉरीशस इन्वेस्टमेंट्स के पास क्रमशः 2.48 प्रतिशत, 34.65 प्रतिशत और 9.72 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके अलावा कंपनी ने नियंत्रणकारी हिस्सेदारी के अधिग्रहण से प्रेरित होकर बाजार से कंपनी में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए खुली पेशकश की भी घोषणा की है। प्रति शेयर 864 रुपये की कीमत की पेशकश की है, जो कुल मिलाकर 544.17 करोड़ रुपये है। इंदौर में 2003 में स्थापित प्रताप स्नैक्स भारत की सबसे तेजी से बढ़ती स्नैक फूड कंपनियों में से एक है।

दवाई-बाइक सहित 100 वस्तुओं पर कर दरें संशोधित करेगी सरकार

- टैक्स की दरों को 12 से घटाकर 5 फीसदी करने की योजना, दिवाली से पहले ऐलान संभव

नई दिल्ली । महंगाई के संकट का सामना कर रहे आम लोगों को आने वाले दिनों में राहत मिलने की संभावना दिखाई दे रही है क्योंकि केंद्र सरकार 100 से ज्यादा सामानों पर जीएसटी की दरों में बदलाव करने की योजना बना रही है। इनमें जरूरी दवाइयां, बाइक समेत कई वस्तुएं शामिल हैं। दरअसल केंद्र सरकार के मंत्रियों के समूह ने जीएसटी दरों में सुधार की कवायद तेज हो चुकी है। इस बारे में पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने बताया कि जीएसटी को 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी करने पर विचार किया जा रहा है और अगली बैठक 20 अक्टूबर को आयोजित होगी। इन 100 सामानों में बाइक्स और बोतलबंद पानी जैसे महत्वपूर्ण आइटम शामिल हैं। जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने के लिए मंत्रिस्तरीय पैनल ने 12 और 18 फीसदी स्लैब के विलय के अलावा 100 से अधिक वस्तुओं पर दरों को फिर से बनाने के प्रस्तावों पर चर्चा की है, लेकिन अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप देने से पहले इस पर विश्लेषण करेगा। भट्टाचार्य ने कहा कि आम आदमी द्वारा प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं पर कर की दरों को कम किया जाना चाहिए और खाने-पीने से जुड़े सामानों पर जीएसटी की दरों को 12 प्रतिशत से पांच प्रतिशत के स्तर पर लाया जाना चाहिए। अभी मोटर साइकिल और उसके पुर्जे और सहायक उपकरण पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगता है, जबकि ई-साइकिल पर पांच प्रतिशत कर लगता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने अस्थायी सरकारी व्यय विधेयक पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन ।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक अस्थायी सरकारी व्यय विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं। यह दिसंबर तक एजेंसियों का काम चलाने में मदद करेगा। इससे पहले कांग्रेस ने नवंबर चुनाव के बाद तक प्रमुख खर्च निर्णयों को टाल दिया था। विधेयक आम तौर पर 20 दिसंबर तक मौजूदा स्तरों पर एजेंसियों को धनराशि उपलब्ध कराता है। सीक्रेट सर्विस को मजबूत करने के लिए सांसदों ने उसे 23.1 करोड़ डॉलर देने के प्रस्ताव पर भी सहमति व्यक्त की। रिपब्लिकन की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प पर दो बार हुए जानलेवा हमलों के प्रयास के मद्देनजर यह फैसला किया गया।राष्ट्रपति पद के चुनाव के बाद सत्ता हस्तांतरण में सहायता के लिए भी धनराशि दी गई है। विधेयक बुधवार को कांग्रेस में द्विदलीय आधार पर आसानी से पारित हो गया। यह सदन में 341-82 तथा सीनेट में 78-18 के मतों के अंतर से पारित हुआ।

यमुना एक्सप्रेसवे पर वाहन चलाना और महंगा होगा

- टोल दर में 12 फीसदी तक की बढ़ोतरी को मंजूरी मिली

नई दिल्ली ।

दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए यमुना एक्सप्रेसवे से आना-जाना महंगा होने वाला है क्योंकि यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने ग्रेटर नोएडा को आगरा से जोड़ने वाले 165 किमी लंबे यमुना एक्सप्रेसवे पर टोल दर में 12 फीसदी तक की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। अधिकारियों ने कहा कि नई दरें 1 अक्टूबर से लागू होंगी। इससे अथॉटरिटी को प्रतिदिन लगभग 1 करोड़ का टोल मिलेगा। दोपे हिया, तीन पे हिया और रजिस्टर्ड ट्रैक्टर्स के लिए नई टोल की दरें 1.50 प्रति किलोमीटर होंगी, जबकि पहले दरें 1.25 रुपये प्रे ति किमी थीं। वहीं कार, जीप और हल्के मोटर वाहनों के लिए 2.95 प्रे ति किमी थीं, जबकि पहले ये दर 2.6 प्रे ति` किमी थी। बस और ट्रकों को 4.15 प्रे ति किमी की पुरानी दर के मुकाबले 4.6 प्रे ति किमी का भुगतान करना होगा, जबकि भारी वाहनों को 12.90 किमी की पुरानी दर के मुकाबले 14.25 प्रे ति किमी का भुगतान करना होगा। भारी वाहन और मल्टी-एक्सल वाहनों पर टोल दर बढ़ाकर 14 रुपये 25 पैसे प्रति किलोमीटर कर दी गई है। पहले यह 12 रुपये 90 पैसे प्रति किलोमीटर थी। 7 या उससे अधिक एक्सल वाले वहानों पर 18 रुपये 35 पैसे प्रति किलोमीटर की दर से टोल वसूला जाएगा। इससे 16.60 रुपये की दर से टोल वसूला जाता था। यमुना एक्सप्रेसवे पर नए टोल रेट लागू होने के बाद, ग्रेटर नोएडा से आगरा तक कार से सफर करने पर टोल की रकम 270 रुपये से बढ़कर 295 रुपये हो जाएगी। इसी तरह बसों के लिए यह राशि 895 रुपये से बढ़कर 935 रुपये होगी। वहीं ओवरसाइज वाहनों के लिए टोल 1760 रुपये से बढ़कर 1835 रुपये हो जाएगा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के बाद भी मुनाफावसूली हावी रहने से आयी है। आज कारोबार के दौरान एचडीएफसी और आईसीआईसीई बैंक के शेयर नीचे आये। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 264.27 अंक तकरीबन 0.31 फीसदी नीचे आकर 85,571.85 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 142.13 अंक या 0.16 प्रतिशत चढ़कर 85,978.25 के नए रिकॉर्ड इंट्रा-डे उच्च स्तर पर पहुंचा था। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 37.10 अंकों करीब 0.14 फीसदी टूटटर 26,178.95 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 15 शेयर आज बढ़त पर बंद हुए। सन फार्मा, रिलायंस, टाइटन, एचसीएल टेक और बजाज फिनसर्व सेंसेक्स के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। इसके अलावा, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, इंडसइंड बैंक, टाटा स्टील, मारुति, टीसीएस, इंफोसिस, एसबीआई, एमएंडएम और आईटीसी के शेयर भी बढ़े।

दूसरी ओर सेंसेक्स के 15 शेयर नीचे आये। पावर ग्रिड, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे अधिक गिरे। इसके अलावा, एलएंडटी, अदाणी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचयूएल, जेएसडब्यू स्टील, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनैंस, नेस्ले इंडिया, टाटा मोटर्स और टेक महिंद्रा के शेयर नीचे आये।

एशियाई बाजारों में, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग के शेयर ऊपर आये जबकि सियोल गिरावट पर बंद हुआ। यूरोपीय बाजार में भी तेजी रही। वहीं गत दिवस अमेरिकी बाजार बढ़त पर बंद हुए। वहीं गत दिवस बाजार रिकॉर्ड तेजी पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह आईटी शेयरों में जोरदार खरीदारी और वैश्विक बाजारों में तेजी की वजह से सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में अपने नए उच्च स्तर पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 119.38 अंक चढ़कर 85,955.50 की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 34.5 अंक बढ़कर 26,250.55 पर पहुंच गया।

प्रमोटर शेयर बेचकर कर रहे हैं, मुनाफा वसूली

प्रमोटरों ने बुधवार को बेचे 40000 करोड रुपए के शेयर

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार आसमान की ओर तेजी के साथ बढ़ रहा है। भारतीय शेयर बाजार ने अभी तक की सबसे लंबी उड़ान भरी है। बुधवार को शेयर बाजार 85930 अंक के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया था। शेयर बाजार की इस स्थिति को देखते हुए कई कंपनियों के प्रमोटरों ने अपने शेयर बेचकर मुनाफा वसूली का खेल शुरू कर दिया। मुनाफा वसूली के इस खेल में इंडिगो, गौतम अडानी की अंबुजा सीमेंट, बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि फूड्स, ईजी ट्रिप प्लानर्स, वेलस्पून लिविंग, सायंट डीएलएम जैसी कंपनियों ने सितंबर तिमाही खत्म होने के पहले ही 40000 करोड रुपए के शेयर बेचकर भारी मुनाफा कमाया है। शेयर बाजार में जिस तरह से छलांग लगाई है। उसके बाद से कंपनियों का वैल्यूएशन काफी बढ़ गया है। कंपनियों के पास नगदी का भंडार जमा हो गया है। कंपनियों को समझ नहीं आ रहा है कि वह कहां निवेश करें। जिस तरह से शेयर बाजार उड़ान भर रहा है। उसके बाद आशंका व्यक्त की जा रही है, शेयर बाजार गिरेगा, तो किसी को संभलने का मौका नहीं मिलेगा। ऐसी स्थिति में कंपनियों के पास भारी नगदी जमा हो गई है। इक्विटी फंड्स मैनेजर के पास बड़ी मात्रा में नगदी जमा है। उन्हें समझ नहीं आ रहा है, कि वह अपनी नगदी को कहां निवेश करें। क्वांट के पास 17103 पराग पारीक के पास 13971 मोतीलाल ओसवाल के पास 7168 आईसीसी के पास 30357 और एचडीएफसी के पास 25013 करोड रुपए का कैश जमा हो गया है। किसके कारण शेयर बाजार में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। कारोबार के अंतिम दिन शुक्रवार को बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि मुनाफा वसूली शेयर बाजार में बड़े पैमाने पर हो रही है। जिसके कारण बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है।

वेदांता एल्युमीनियम ने सरकारी आदेश का किया अनुपालन

नई दिल्ली । वेदांता एल्युमीनियम ने शुक्रवार को कहा कि उसने वायर रॉड और रोल्ड उत्पादों के लिए बीआईएस प्रमाणन अनिवार्य करने के सरकार के आदेश का अनुपालन कर लिया है। सरकार ने पिछले साल एल्युमीनियम तथा एल्युमीनियम मिश्र धातुओं के गुणवत्ता नियंत्रण के लिए एक नया विनियमन पेश किया था। यह प्रमाणन छत्तीसगढ़ स्थित बाल्को संयंत्र और ओडिशा स्थित झारसुगुड़ा इकाई में विनिर्मित उत्पादों पर लागू होता है। वेदांता के पास एल्युमीनियम उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए बीआईएस प्रमाणन है, जिसमें 12 एमएम वायर रॉड, रोल्ड शीट, रोल्ड कंडक्टर प्लेट, रोल्ड प्लेट, मिश्र धातु सिल्लियां तथा प्राथमिक सिल्लियां शामिल हैं। सभी विभिन्न इंजीनियरिंग तथा औद्योगिक उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाती हैं। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि वेदांता एल्युमीनियम के वायर रॉड और रोल्ड उत्पादों के लिए बीआईएस प्रमाणन गुणवत्ता, सुरक्षा तथा नियामक अनुपालन को लेकर हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

सरकार ने व्यक्तिगत जानकारी उजागर करने वाली कुछ वेबसाइट ब्लॉक की

- सरकार ने वेबसाइट में कुछ खामियां पाए जाने के कारण ब्लॉक करने का लिया फैसला

नई दिल्ली । सरकार ने भारतीय नागरिकों के आधार और पैन कार्ड विवरण सहित संवेदनशील व्यक्तिगत पहचान-योग्य जानकारी को उजागर करने वाली कुछ वेबसाइट को ब्लॉक कर दिया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत संचालित भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी-इन) ने इन वेबसाइट में सुरक्षा खामियां पाई थीं। उसके बाद सरकार ने इन वेबसाइट को ब्लॉक करने का कदम उठाया है। बयान के मुताबिक मंत्रालय के संज्ञान में आया है कि कुछ वेबसाइट भारतीय नागरिकों के आधार और पैन कार्ड विवरण सहित संवेदनशील व्यक्तिगत जानकारियों को उजागर कर रही थीं। इस मामले को गंभीरता से लिया गया है क्योंकि सरकार सुरक्षित साइबर सुरक्षा व्यवहार और व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। इसके अनुरूप इन वेबसाइट को ब्लॉक करने के लिए त्वरित कार्रवाई की गई है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार (वित्तीय और अन्य सब्सिडी, लाभ और सेवाओं का लक्षित वितरण) अधिनियम, 2016 के तहत आधार से जुड़े विवरण के सार्वजनिक प्रदर्शन पर रोक संबंधी प्रावधान के उल्लंघन पर संबंधित पुलिस अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज कराई है। बयान में कहा गया है, सीईआरटी-इन ने इन वेबसाइट के विश्लेषण से कुछ सुरक्षा खामियां उजागर की हैं। संबंधित वेबसाइट मालिकों को आईसीटी अवसंरचना को मजबूत करने और खामियों को दुरुस्त करने के लिए उनके स्तर पर की जाने वाली कार्रवाई के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया गया है। आईटी अधिनियम के तहत कोई भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित पक्ष शिकायत दर्ज करने और मुआवजे की मांग करने के लिए निर्णायक अधिकारी से संपर्क कर सकता है। राज्यों के आईटी सचिवों को निर्णायक अधिकारी के रूप में अधिकार दिया गया है।

इथेनाल के भाव और चीनी की एमएसपी बढ़ाएगी सरकार

नई दिल्ली । केंद्र सरकार इस वित्त वर्ष इथेनॉल की कीमत और चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य (सुगर एमएसपी) बढ़ाने के बारे में विचार कर रही है। खाद्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि इथेनॉल की कीमत बढ़ाने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है। पेट्रोलियम मंत्रालय इस मामले पर विचार कर रहा है। एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से मंत्री ने यह भी कहा किया कि सरकार चीनी के न्यूनतम विक्रय मूल्य को बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है, जो फरवरी 2019 में स्थापित दर 31 रुपये प्रति किलोग्राम के बाद से अपरिवर्तित हैं। फिलहाल केन जूस से बनने वाले एथेनॉल का भाव 65.61 रुपये प्रति लीटर है, वहीं बी हैवी मोलैसेज से बनने वाले एथेनॉल का भाव 60.73 और सी हैवी मोलैसेज से बनने वाले एथेनॉल का भाव 56.28 रुपये प्रति लीटर है।

वहीं चीनी के उत्पादन को लेकर केंद्रीय मंत्री ने उम्मीद जताई कि 2024-25 सीजन में उत्पादन बेहतर रह सकता है। उनके मुताबिक बेहतर मॉनसून की वजह से ये संभव है। उनके मुताबिक कीमतों को लेकर इन कदमों से भारत के इथेनॉल ब्लेंडिंग को लेकर पहल को बढ़ावा मिलेगा और शुगर सेक्टर को जरूरी राहत मिलेगी। बता दें कि वर्तमान में भारत सरकार ने पेट्रोल में 20 फीसदी इथेनाल ब्लेंडिंग को मंजूरी दी है।

इथेनाल की कीमत बढ़ने से पेट्रोल भी महंगा हो सकता है।

भारत के शीर्ष 7 शहरों में मकानों की बिक्री 11 फीसदी घटी

कीमतों में तेजी और मॉनसून की वजह से आई सुस्ती

नई दिल्ली । भारत के शीर्ष सात शहरों में मकानों की बिक्री में गिरावट देखी जा रही है। हाल ही में जारी की गई एक रिपोर्ट में बताया गया है कि बाजार स्थिर हो रहा है और वित्तीय वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में इसमें 11 फीसदी की गिरावट आई है। एक प्रॉपर्टी कंसल्टिंग कंपनी द्वारा जारी आंकड़े दर्शाते हैं कि बिक्री पिछले साल की तीसरी तिमाही के 1.20 लाख मकानों से कम होकर इस साल 1.07 लाख हो गई है। एनारॉक की बिक्री घटने का कारण उच्च कीमतें और मॉनसून को बताया है। इसने कहा कि श्राद्ध पक्ष के दौरान भारतीय मकान खरीदना नहीं चाहते हैं इसलिए भी मांग में गिरावट आई है। कुल मिलाकर पहली तिमाही में नए शिखर पर पहुंचने के बाद आवास बाजार स्थिर हो रहा है। शीर्ष सात शहरों में मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), हैदराबाद, बेंगलूरु, चेन्नई, कोलकाता और पुणे हैं। इस साल की तीसरी तिमाही में 93,750 मकान पेश किए गए थे, जो बीते साल की समान अवधि के दौरान पेश किए गए 1,16,220 मकानों के मुकाबले 19 फीसदी कम हैं। इसके अलावा बढ़ती इनपुट लागत और इस साल की पहली तिमाही में अधिक बिक्री के अलावा एक बात यह भी है कि बीते एक से दो वर्षों में मकानों की कीमत बेतहाशा बढ़ी है। कई खरीदार फिर स्थिति पर नजर रखने लगे हैं। कंपनी रिसर्च के मुताबिक शीर्ष सात शहरों में औसत आवासीय कीमतों में पिछले साल की तीसरी तिमाही के मुकाबले इस साल की तीसरी तिमाही में 23 फीसदी की सालाना वृद्धि हुई है। इसके अलावा अगर हम डेटा रुझानों की तुलना करें तो औसत कीमत साल 2022 की तीसरी तिमाही के मुकाबले साल 2024 की तीसरी तिमाही में 37 फीसदी बढ़ी हैं। इससे कई खरीदारों पर दबाव पड़ा है। नई पेशकशों में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी लक्जरी मकानों की है।

त्यौहारी सीजन से 50 हजार करोड़ से ज्यादा के आईपीओ बाजार में देंगे दस्तक

-ह्युंडै मोटर 25 हजार करोड़ से ज्यादा का आईपीओ लाने की तैयारी में

नई दिल्ली।

इस साल दीवाली के आसपास आईपीओ का बाजार में भी बूम आने की उम्मीद है। अक्टूबर के आखिर से नवंबर की शुरुआत तक 50 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के आईपीओ बाजार में दस्तक देंगे। ह्युंडै मोटर इंडिया 25 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का आईपीओ लाने जा रही है, जिसे भारत का अभी तक का सबसे बड़ा आईपीओ माना जा रहा है। साथ ही फूड डिलिवरी कंपनी स्विगी 11,600 करोड़ रुपए का और एनटीपीसी ग्रीन 10 हजार करोड़ रुपए का आईपीओ लाने वाली है। इन तीन बड़े आईपीओ के अलावा शापूरजी पलोनजी समूह की कंपनी एफकॉन इन्फ्रास्ट्रक्चर करीब 6,500 करोड़ रुपए का और वारी एनर्जीज 7,500 करोड़ रुपए आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। इन बड़े निर्गमों को कामयाबी मिली तो वैश्विक बाजार में भारत का दबदबा और बढ़ जाएगा। इसके बाद कई अन्य कंपनियां भी भारतीय बाजार में सूचीबद्ध होने आ सकती हैं क्योंकि यहां मूल्यांकन दुनिया के सभी बाजारों से ज्यादा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इक्विटी पूंजी जुटाने के मामले में यह साल देसी बाजार के लिए रिकॉर्ड साल साबित हो सकता है। 2024 में 63 कंपनियां अपने आईपीओ के जरिये अभी तक 64,559 करोड़ रुपए जुटा चुकी हैं और कई आईपीओ ने बाजार में दस्तक दी तो निर्गमों के जरिये 1.2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की पूंजी जुटा ली जाएगी, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा होगा। आईपीओ की संख्या के मामले में भी 2007 के बाद यही सबसे अच्छा साल साबित हो सकता है।

2007 में 100 निर्गम बाजार में आए थे।दक्षिण कोरियाई कंपनी ह्युंडै मोटर्स की भारतीय इकाई को आईपीओ के लिए नियामक की मंजूरी मिल गई है। सॉफ्टबैंक सम र्थित स्विगी को भी नियामक की हरी झंडी मिल गई है। सूत्रों का कहना है कि बैंकर इन कंपनियों का मूल्यांकन तय करने के लिए संभावित निवेशकों से बात कर रहे हैं, जिसके बाद ही इनके आईपीओ के आकार तय हो किए जाएंगे।

भारत / बांग्लादेश दूसरा टेस्ट : बारिश की भेंट चढ़ा पहले दिन का खेल, बांग्लादेश ने 35 ओवर में खोए 3 विकेट

कानपुर (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम पर खेला जा रहा है। मैच का पहला दिन बारिश की भेंट चढ़ गया, जहां खिलाड़ियों और अंपायरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पहले गीली आउटफील्ड के चलते टॉस में देरी हुई, फिर लंच ब्रेक के बाद बारिश के चलते देरी हुई और फिर बारिश के चलते पहले दिन का खेल समय से पहले ही खत्म करना पड़ा। बांग्लादेश ने 35 ओवर में तीन विकेट पर 107 रन बनाए हैं।

बारिश के कारण टॉस देरी से हुआ जो रोहित शर्मा ने जीता। भारत ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। लंच ब्रेक तक तो बांग्लादेश ने दो विकेट पर 74 रन बना लिए थे। आकाशदीप ने दो विकेट झटके, उन्होंने जकिर हसन को यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच आउट कराया। जबकि आकाशदीप ने शदमान इस्लाम को भी पवेलियन भेजने का काम किया। बांग्लादेश को तीसरा झटका आर अश्विन ने दिया, उन्होंने कप्तान नजमुल हुसैन शंटो को एलबीडब्ल्यू किया।

लेकिन इसके बाद बारिश फिर से शुरू हो गई। पूरे मैदान को कवर्स से ढका गया और बारिश बंद होने का इंतजार हो रहा था। लेकिन बारिश ने पहले दिन का खेल बिगाड़ दिया।

आखिर में बीसीसीआई ने अपने अधिकारिक एक्स हैंडल से दूसरे टेस्ट के पहले दिन का खेल खत्म करने का अपडेट दिया। पहले दिन कुल 35 ओवर की ही गेंदबाजी हो पाई।

इस युवा बल्लेबाज का गरज रहा बल्ला, सबसे तेज 5 शतक ठोकने का डॉन ब्रैडमैन के रिकॉर्ड की बराबरी की

खेल डैस्क । न्यूजीलैंड के खिलाफ कामिंदु मेंडिस रिकॉर्ड तोड़ बल्लेबाजी कर रहे हैं। श्रीलंका के इस बल्लेबाज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भी सेंचुरी ठोकी। कामिंदु मेंडिस सबसे कम पारियों में 5 शतक लगाने वाले एशियन बैटलर बन गए हैं। उन्होंने 13वीं पारी में 5वां शतक लगाकर इस मामले में सर डॉन ब्रैडमैन की बराबरी भी कर ली है। कामिंदु मेंडिस ने एक दिन पहले ही लगातार 8 टेस्ट मैच में अर्धशतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था।

25 साल के कामिंदु मेंडिस न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में उस समय क्रीज पर उतरे जब दिनेश चांडीमल शतक बनाकर आउट हुए। उन्होंने श्रीलंका को धनंजय डिसिल्वा के साथ पांचवें विकेट केलिए 74 रन की साझेदारी कर 400 रन के पार पहुंचाया। धनंजय डिसिल्वा के आउट होने के बाद कामिंदु और सुल मेंडिस ने पारी को आगे बढ़ाया।

इस साझेदारी के दौरान कामिंदु मेंडिस अपनी 13वीं पारी में ही इस मुकाम तक पहुंचे हैं। इस तरह उन्होंने सबसे कम पारियों में 5 शतक बनाने के मामले में ऑस्ट्रेलिया के ड्रॉन ब्रैडमैन की बराबरी कर ली है। ब्रैडमैन ने भी अपना 5वां शतक 13वीं पारी में बनाया था।

अश्विन ने अनिल कुंबले को पीछे छोड़ा, सबसे अधिक विकेट लेने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंचे

कानपुर (एजेंसी)। अनुभवी लेग स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने लाल गेंद से अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो को आउट किया। विपक्षी कप्तान का विकेट अश्विन के 7वें ओवर की अंतिम गेंद पर आया। यह कोई साधारण आउट नहीं था। शांतो मध्यक्रम में अपने कार्यकाल के दौरान अच्छे दिख रहे थे और दिन के दूसरे सत्र के तीसरे ओवर में आउट हुए। इसके अलावा एलबीडब्लू (लेग बिफोर विकेट) का मतलब अश्विन के लिए ऐतिहासिक था। यह एशिया में टेस्ट मैचों में उनका 420वां आउट था जिसने उन्हें सबसे अधिक विकेट लेने की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया।

अनिल कुबले (82 मैचों में 419 विकेट) के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जिसका मतलब है कि अब अश्विन शीर्ष स्थान हासिल करने से एक स्थान दूर हैं। इस सूची में सबसे आगे कोई और नहीं बल्कि श्रीलंका के दिग्गज मुथैया मुरलीधरन हैं जिन्होंने 612 विकेट लिए हैं। यह देखना बाकी है कि पहले टेस्ट में प्लेयर ऑफ द मैच बनने वाले अश्विन टेस्ट क्रिकेट में सर्वकालिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में नाथन लियोन को पीछे छोड़ पाते हैं या नहीं। अश्विन अभी 523 विकेट लेकर सूची में आठवें स्थान पर हैं और लियोन को पीछे छोड़ने के लिए उन्हें 8 विकेट और चाहिए। नवंबर में शुरू होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में लियोन को अपनी संख्या बढ़ाने का मौका मिलेगा।

मैच की बात करें तो भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट मैच के शुरुआती दिन का खेल भारी बारिश के कारण शुक्रवार को यहां जल्दी समाप्त कर दिया गया। खेल रोके जाने तक बांग्लादेश ने तीन विकेट पर 107 रन बना लिए थे। बांग्लादेश ने इस दौरान लंच के बाद के सत्र में नौ ओवर के खेल में 33 रन जोड़कर कप्तान नजमुल हसन शंटो (31) का विकेट गंवा दिया। मुशफिकुर रहीम (छह) और मोमिनुल हक (40) क्रीज पर मौजूद थे।

डीआरएस फैसला देख हैरान रह गए रोहित शर्मा, कप्तान का रिएक्शन जीत लेगा आपका दिल

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन दो महत्वपूर्ण डीआरएस (निर्णय समीक्षा प्रणाली) फैसलों पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं वायरल हो रही है। रोहित के हाव-भाव सुबह के सत्र के बाद सबका ध्यान अपनी ओर खींच रहे थे जिसमें आकाश दीप ने बांग्लादेश के दोनों सलामी बल्लेबाजों जाकिर हसन और शादमान इस्लाम को आउट किया था।

रोहित उस समय दंग रह गए, जब भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप ने बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज शादमान इस्लाम को 24 रन पर आउट करने के लिए शानदार डीआरएस लिया। शादमान द्वारा गेंद को फ्लिक करने के प्रयास के बाद आकाश दीप ने एलबीडब्लू की जोरदार अपील की। अपने साथियों के साथ संक्षिप्त चर्चा के बाद रोहित ने मैदानी अंपायर के फैसले की समीक्षा करने का फैसला किया।

बॉल-ट्रैकिंग तकनीक से पता चला कि गेंद शादमान के घुटने के ठीक नीचे लगी थी और लेग स्टंप को छूती हुई भारत के लिए दूसरा महत्वपूर्ण विकेट बन गया। हालांकि शुरुआती रीप्ले से पता चला कि यह एक करीबी कॉल हो सकता था, लेकिन अंतिम पुष्टि ने रोहित को कुछ पल के लिए स्तब्ध कर दिया, उनका अविश्वास प्रशंसकों के साथ गूंज रहा था जिन्होंने स्क्रीन पर उनकी प्रतिक्रिया देखी।

इसके विपरीत रोहित बांग्लादेश के नजमुल हुसैन शांतो द्वारा विवादास्पद समीक्षा से बचने के बाद निराश दिखे। सिराज ने गेंद फेंकी जो लेग स्टंप के बाहर पिच हुई, लेकिन तेजी से पीछे हट गई, शांतो के अंदरूनी किनारे को छूते हुए उनके पैड पर जा लगी। जब ऑन-फील्ड अंपायर ने एलबीडब्ल्यू अपील को अस्वीकार कर दिया, तो रोहित ने समीक्षा का विकल्प चुना, इस उम्मीद में कि पहले जैसा ही नतीजा आएगा।

हालांकि बॉल-ट्रैकर ने संकेत दिया कि गेंद स्टंप के ऊपर से निकल रही है जिससे रोहित रीप्ले देखते समय निराश दिखाई दिए। प्रशंसकों ने उनकी विपरीत भावनाओं को देखा-उनका पहले का अविश्वास हताशा में बदल गया, जिसने क्रिकेट की अप्रत्याशित प्रकृति को उजागर किया। इस बीच टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का रोहित का फैसला उनके गेंदबाजों द्वारा हासिल की गई शुरुआती सफलताओं से सही साबित हुआ। टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर रहे आकाश दीप ने तीन ओवर के तेज स्पेल में दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट करके रोहित की रणनीति को सही साबित किया। शादमान और जाकिर हसन से शुरूआती प्रतिरोध का सामना करने के बावजूद रन न बना पाने का दबाव बांग्लादेशी बल्लेबाजों पर भारी पड़ा जिसके कारण शादमान को सीधी गेंद पर आउट होना पड़ा।

तेज गेंदबाज आकाश दीप ने कहा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बदलाव लाये रोहित और विराट

कानपुर । युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर सराहना की है। आकाश ने कहा कि ये दोनो ही अपनी कप्तानी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बदलाव लाये हैं। इस दौरान ड्रेसिंग रूम का माहौल बेहतर हुआ है। आकाश दीप ने डेब्यू के बाद से ही अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। इस क्रिकेटर ने साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ अपने पहले टेस्ट मैच में तीन विकेट लिए थे। इसके अलावा चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ भी अच्छी गेंदबाजी करते हुए दो विकेट लिए थे। आकाश ने कहा कि उन्हें रोहित और विराट से मिले मार्गदर्शन से लाभ हुआ है। आकाश ने कहा कि जब मैं यहां आया, तो मैंने रोहित, विराट भाई जैसे खिलाड़ियों का समर्पण देख है। मुझे एहसास हुआ कि उन्होंने बहुत कुछ हासिल किया है इसके बाद भी वे प्रशिक्षण के दौरान अभी भी कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उनकी विचार प्रक्रिया एक अलग स्तर पर है। यह मुझे और भी अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करती है। इस तेज गेंदबाज ने कप्तान रोहित की सरल नेतृत्व शैली की भी प्रशंस की। उन्होंने कहा कि शुरुआत में मुझे झिझक थी कि दबाव होगा, लेकिन कप्तान ने चीजों को आसन बनाया। मैंने पहले इतने सहयोग करने वाले कप्तान नहीं देखे हैं। वह चीजों को सरल रखते हैं। इससे मुझे कभी महसूस नहीं हुआ कि मैं घरेलू या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहा हूं। पिछले दो साल में, मैंने बहुत क्रिकेट खेला है। यह हमारे लिए सिर्फ तीन महीने का सत्र नहीं है। रणजी के बाद हम दलीप ट्रॉफी, ईरानी कप खेलते हैं क्योंकि एक खिलाड़ी के तौर पर आपको अपनी को समझने और अपनी ताकत को जानने की जरूरत है।

टी20 विश्वकप में ट्रंप कार्ड हो सकती हैं दीप्ति : पूनम

नई दिल्ली । महिला क्रिकेटर स्पिनर पूनम यादव ने कहा है कि आगामी टी20 विश्वकप क्रिकेट में भारतीय टीम एक बड़ी दावेदार के तौर पर उतरेगी। पूनम के अनुसार भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर इस टूर्नामेंट में हालात के अनुसार एक या दो स्पिनरों को शामिल कर सकती है। अगर ओस अधिक रही तो दो नहीं तो एक स्पिनर ही पर्याप्त रहेगा। इस स्पिनर ने कहा कि दीप्ति शर्मा और आशा शोभना दोनों को भी अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है पर दीप्ति अनुभवी होने के कारण ट्रंप कार्ड साबित हो सकती हैं। दीप्ति ने अब तक 117 मैचों की 75 पारियों में 104.29 की स्ट्राइक रेट से 1020 बनाने के साथ ही 27 131 विकेट भी लिए हैं। पूनम ने कहा कि यदि ओस अधिक रहती है तो हरमनप्रीत एक या दो स्पिनर रख सकती है। साथ ही कहा कि पिच के उछाल को देखते हुए तेज गेंदबाज भी अहम रहेंगे। इसके अलावा वह कलाई की स्पिनर शोभना पर भी भरोसा कर सकती हैं। कलाई के स्पिनर किसी भी प्रकार के ट्रैक पर गेंद को घुमा सकते हैं और उनकी गति आम तौर पर धीमी होती है। दीप्ति भारत के गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। पिच कैसी भी हो तेज गेंदबाज अहम भूमिका निभाते हैं इसलिए उनको प्राथमिकता मिलेगी। भारतीय टीम आज तक विश्व कप नहीं जीत पायी है। साल 2022 में वह सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गयी थी।

नतीजा इस पर निर्भर करेगा कि अश्विन और जडेजा से कैसे निपटते हैं हमारे बल्लेबाज : मैक्सवेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को लगता है कि आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि मेजबान टीम के बल्लेबाज भारत की शीर्ष स्पिन जोड़ी रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा से किस तरह निपटते हैं। भारत ने 2018-19 और 2020-21 के दौरे पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी और अब टीम की निगाहें लगातार तीसरी श्रृंखला कब्जाने पर लगी हैं। बल्कि भारत एशिया का एकमात्र देश है जिसने टेस्ट श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया को उसकी सरजमीं पर शिकस्त दी है। मैक्सवेल ने कहा कि अकसर अश्विन और जडेजा की जोड़ी खेल का नतीजा तय करती है।

मैक्सवेल ने 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा, '' मेरा मानना है कि लंबे समय तक अश्विन और जडेजा जैसे गेंदबाजों के खिलाफ खेलने के बाद ऐसा लगता है कि हमने लगातार इन दोनों का सामना किया है। और अकसर उनके खिलाफ हमारा प्रदर्शन मैच का नतीजा तय करता है। '' मैक्सवेल हालांकि अब ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट क्रिकेट की योजना का हिस्सा नहीं हैं और 2017 में अपना अंतिम टेस्ट खेलने के बाद उन्होंने कहा कि उनके देश के बल्लेबाजों को भारत के सीनियर स्पिनरों के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी करनी होगी। अश्विन और जडेजा ने मिलकर 330 पारियों में 821 विकेट झटके हैं जिसमें से 50 दफा वे पांच विकेट झटक चुके हैं।

उन्होंने कहा, ''अगर हम इन दोनों (अश्विन और जडेजा) के खिलाफ अच्छा खेलते हैं तो हम अच्छी स्थिति में होंगे। ये दोनों खिलाड़ी मेरे करियर में ज्यादातर समय गेंदबाजी करते रहे हैं। '' उन्होंने भारतीय तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह की भी प्रशंसा करते हुए कहा, ''और अब जसप्रीत बुमराह। मैं 2013 में मुंबई में आईपीएल में उनके पहले सत्र में वहां था और नेट्स में लगभग हर दिन उनका सामना करता था। वह तब युवा प्रतिभा था और अब उसे इस तरह शानदार तरीके से आगे बढ़ते हुए देखना अद्भुत है जो सभी तीनों प्रारूपों संभवतः सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं।

युवराज ने खोला छह छक्के लगाने का राज, फ्लिंटॉफ के साथ हुई बहस से प्रेरित हुआ

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2007 के पहले ही मैच में इंग्लैंड के खिलाफ एक ही ओवर में छह छक्के लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया था। उसी को लेकर युवराज ने माइकल वॉन और एडम गिलक्रिस्ट के साथ बातचीत में कहा कि उस दिन सभी गेंदें बल्ले के बीचों बीच आ रहीं थीं। उन्होंने तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के ओवर में ये छक्के लगाये थे। उसी के साथ युवराज टी20 में एक ही ओवर में 6 छक्के लगाने वाले पहले अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बने। युवराज ने कहा, यह पहला टी20 विश्व कप था और किसी को नहीं पता था कि टी20 खेल को कैसे खेला जाना चाहिए। यॉर्कशायर वह जगह थी जहां मैंने अपना पहला टी20 मैच खेला और इसी दौरान मुझे ये प्रारूप समझ में आया। उन्होंने यह भी कहा कि उस समय अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया गया था। साथ ही कहा कि फ्लिंटॉफ के साथ हुई बहस के बाद उन्हें लगा कि 6 छक्के लगाकर जवाब देना चाहिये। उन्होंने कहा, फ्लिंटॉफ ने मुझसे कुछ बातें कहीं जिससे मुझे गुस्सा आ गया। तब मैंने अंपायर से कहा कि वह इसे शुरू कर रहे हैं और या तो उन्हें रुकना होगा या अंपायर को बीच में आना होगा। अंपायर ने इसपर अधिक ध्यान नहीं दिखा जिससे मेरा गुस्सा बढ़ गया। तब मैं हर गेंद को मैदान के बाहर मारना चाहता था, और ऐसा ही हुआ। तीसरे छक्के के बाद, मैंने ब्रॉड को लांग ऑफ पर मारा। इसके बाद गेंदबाज ने पैरों पर गें डालने का प्रयास किया। चौथी गेंद अच्छी थी, जो मेरे बल्ले के अंगूठे पर लगी, लेकिन बाउंड्री छोटी थी, इसलिए वह छक्का लग गया। अंतिम गेंद पर मुझे पता था कि यॉर्कर आएगी, मैंने उस पर बल्ला चला दिया जिसपर किस्मत से छक्का लग गया। युवराज की इस पारी ने न केवल भारत को जीत दिलाई बल्कि टी20 क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत भी की।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान लिसा बोली, इस बार भारतीय महिला टीम जीत सकती है टी20 विश्व कप

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान लीसा स्थालेकर के अनुसार इस बार यूएई में होने वाले महिला टी20 विश्व कप में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। लीसाके अनुसार इस अगले माह होने वाले इस टूर्नामेंट मे भारतीय टीम की सलामी बल्लेबाज़ शैफ़ाली वर्मा और स्मृति मंधाना अहम भूमिका निभा सकती हैं। विश्वकप में भारतीय टीम को ग्रुप ए में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। लीसा के अनुसार मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम भी सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। वे मौजूदा चैंपियन हैं। इसके अलावा इंग्लैंड के भी अच्छे अवसर हैं। वहीं हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम इस बार पिछली गलतियों को ठीक कर सकती है। वे 2020 में फाइनलिस्ट थे और वे लंबे समय से सेमीफाइनलिस्ट हैं। मुझे लगता है कि उनके पास अब इसे बदलने का अवसर है। मुझे लगता है कि वे अच्छी शुरुआत के लिए अपने सलामी बल्लेबाजों पर निर्भर रहेंगे। जैसे, अगर पूजा वस्त्रकर अगर फिट रह सकती है और वापसी की राह पर है, तो वह कई टीमों के लिए काफी मुश्किल साबित हो सकती है। इसलिए, भारत की संभावनाएं बहुत अधिक हैं। मैं उनसे सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद करूंगी , अगर फाइनल में नहीं। मुझे लगता है कि उनके पास ताकत, गहराई और अच्छे गेंदबाज़ हैं। मुझे देखना होगा कि क्या सलामी बल्लेबाज़ जेमिमा रोड्रिग्स अच्छा प्रदर्शन करेंगी। फिर चौथी टीम – मुझे नहीं लगता कि न्यूज़ीलैंड वहां होगा, मैंने जो देखा है उसके आधार पर। दक्षिण अफ़्रीका, ज़ाहिर है, 2023 में फ़ाइनलिस्ट था। ऐसा लग रहा था कि उनके पास भी ऐसी ही टीम है, इसलिए उन्हें ज़ोर लगाना होगा।

चोट अब ठीक है, अगला बड़ा लक्ष्य 2025 विश्व चैंपियनशिप: नीरज चोपड़ा

सोनीपत (एजेंसी)। भारतीय स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने आगामी सत्र के लिए शत प्रतिशत फिट होने का वादा करते हुए शुक्रवार को कहा कि उनका अगला लक्ष्य 2025 तोक्यो विश्व चैम्पियनशिप में पोडियम पर जगह हासिल करना है। ओलंपिक में दो बार के पदक विजेता नीरज ब्रुसेल्स में डायमंड लीग के फाइनल में दूसरे स्थान रहे थे। वह अपने मौजूदा सत्र को समाप्त कर स्वदेश वापस आ गए हैं।

तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज ने पेरिस ओलंपिक में रजत पदक अपने नाम किया। वह लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले भारत के पहले ट्रैक एवं फील्ड एथलीट हैं। इस 26 साल के खिलाड़ी ने हरियाणा खेल विश्वविद्यालय की 'मिशन ओलंपिक 2036' पर आयोजित एक सम्मेलन के मौके पर कहा, 'मेरा सत्र अब खत्म हो गया है। अगले साल का सबसे बड़ा लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप है और हम इसके लिए अभी से तैयारी शुरू कर देंगे। ओलंपिक हमेशा हमारे दिमाग में रहता है, लेकिन उसके लिए हमारे पास चार साल हैं।'

विश्व चैंपियनशिप अगले साल 13 से 21 सितंबर तक आयोजित होने वाली है। चोपड़ा पूरे साल मांसपेशियों की चोट से जूझते रहे और इससे ओलंपिक और डायमंड फाइनल दोनों में उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ। डायमंड लीग फाइनल में उन्होंने टूटे हुए बाएं हाथ के साथ भी प्रतिस्पर्धा की थी। उन्होंने सत्र के अंत में डॉक्टरों से सलाह लेने की बात कही थी ताकि यह तय किया जा सके कि चोट से उबरने के लिए सर्जरी की जरूरत होगी या नहीं। चोपड़ा ने फिटनेस के बारे में पूछे जाने पर चोट की चिंताओं को नजरअंदाज करते हुए कहा कि अपनी तकनीक में सुधार करने पर ध्यान दे रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'मेरे लिए यह साल चोटों से भरा रहा है लेकिन अब चोट अब ठीक है। मैं नये सत्र के लिए पूरी तरह से फिट हो जाउंगा।' उन्होंने कहा, 'तकनीकी मुद्दे भी हैं लेकिन हम उन पर काम करेंगे। मैं अपनी तकनीक में सुधार करने पर ध्यान दूंगा। मैं भारत में भी अभ्यास करना पसंद करता हूं लेकिन जब प्रतियोगिताएं शुरू होती हैं तब मेरे लिए विदेश में अभ्यास करना सही रहता है।'

भारतीय खिलाड़ियों के ओलंपिक में छह पदक जीते लेकिन इसमें कोई स्वर्ण पदक नहीं था। इसके बारे में पूछे जाने पर चोपड़ा ने कहा, 'हमारे कई खिलाड़ी चौथे स्थान पर थे। (लेकिन) इस बार, हमने पैरालंपिक में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और कई पदक जीते।' उन्होंने कहा, 'आने वाले समय में हमें ओलंपिक और पैरालंपिक दोनों में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद है।'

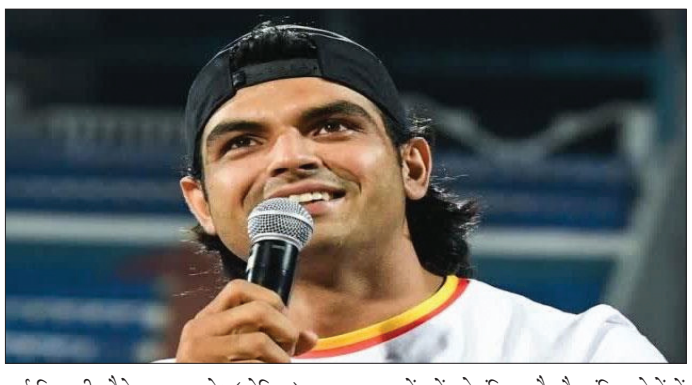

ऋषभ नहीं जा रहे आरसीबी , सोशल मीडिया में फर्जी खबर लिखने वालों पर भड़के

कानपुर । दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के कप्तान ऋषभ पंत ने कहा है कि वह आईपीएल के अगले सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में नहीं जा रहे हैं और इस प्रकार की जो भी बातें कही जा रही हैं वे गलत हैं। ऋषभ ने एक फैन पेज की आलोचना की जो इन फर्जी खबरों को फैला रहा था। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर ऐसी अविश्वसनीय बातें फैलाना सही नहीं है। इस प्रकार की चीजों को जारी करने से पहले खबर की पुष्टि कर लेनी चाहिये और आधारहीन बातें कहकर संशय नहीं फैलाना चाहिये। इस आक्रामक बल्लेबाज ने नाराजगी जताते हुए लिखा, कुछ लोग सोशल मीडिया पर इतनी फर्जी खबरें क्यों फैलाते हैं? अगर ऐसा समझदार लोग कर रहे हैं तो ये और भी निराशाजनक बात है। बिना वजह अविश्वसनीय माहौल बनाना ठीक नहीं है हालांकि मैं जानता हूं कि यह पहली बार नहीं है और आखिरी बार भी नहीं होगा पर मुझे मजबूरन ये लिखना पड़ा है। ऋषभ ने 2024 आईपीएल सत्र से खेल में वापसी की थी। उन्होंने टी20 विश्व कप 2024 में 8 मैचों में 127.61 की स्ट्राइक रेट से 171 रन बनाए। वहीं इस क्रिकेटर ने बांग्लादेश के खिलाफ अपनी पहली टेस्ट वापसी की, जिसमें उन्होंने 128 गेंदों पर 109 रन की शानदार पारी खेली। इस क्रिकेटर ने यह प्रतिक्रिया फर्जी खबरों के प्रति अपने प्रशंसकों को सजग करने के लिए की है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बैल की वैज्ञानिक खेती

बेल हमारे देश में उगाये जाने वाला एक पोराणिक वृक्ष है। कम सिंचित भूमि में भी इसे आसानी से उगाया जा सकता हैं भगवान शिव की आराधाना में बैल पत्र एवं फल का विशेष स्थान है। बेल फल के पंचांग (जड़, छाल, पत्ते, शाख एवं फल) औषधि रूप में मानव जीवन के लिये उपयोगी एवं उदर रोगों में बहुतायत से किया जाता है। राजस्थान में इसकी खेती सभी जिलों में की जा सकती है।

जलवायु

बेल एक उपरोक्त जलवायु का पौधा हैं, फिर भी इसे तथा जलवायु में भी सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। इसकी खेती समुद्र तल से 1200 मीटर ऊँचाई तक और 7-46 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान तक की जा सकती है। फूल एवं फल के विकास के समय पर्याप्त वर्षा व नमी का होना आवश्यक है। इसके लिए शुष्क एवं गर्म वातावरण उपयुक्त होता हैं

भूमि

बेल की खेती सभी प्रकार की भूमि में की जा सकती हैं, परन्तु उपयुक्त जल निकास युक्त बलुई दोमट भूमि, इसकी खेती के लिये अधिक उपयुक्त हैं, भूमि की पी.एच. मान 6-8 तक अधिक उपयुक्त रहता हैं पड़ती एवं शुष्क भूमि में लगाने के लिए यह एक उपयुक्त पौधा है।

किस्में

सिवान, देवरिया, बड़ा, कागजी इटावा, चकिया, मिर्जापुरी,

पंत सिवानी, पंत अर्पणा पंत उर्वषी और पंत सुजाता नेल की उपयुक्त किस्में हैं।

प्रवर्धन

बेल के पौधों का प्रवर्धन लैंगिक एवं वानस्पतिक दोनों

तुरन्त बाद 15-20 सेमी. की ऊंची एवं 13 10 मी. की बैड में 1-2 सेमी. की गहराई 15-20 सेमी. की ऊँची एवं 1 मी. की बैड में 1-2 सेमी. की गहराई पर फरवरी - मार्च एवं जून- जुलाई के महिने में की जाती है। जब पौधे एक वर्ष के हो जाएं अथवा तना पेंसिल की मोटाई के आकार का हो जाए तो कलिकायन करने के योग्य हो जाते हैं। जुलाई- अगस्त या फरवरी माह कलिकायन के लिए उपयुक्त समय है। बेल में पेंच कलिकायन विधि सर्वोत्तम रहती है।

पौधा रोपण

कलिकायन किये हुये पौधों के रोपण का सर्वोत्तम समय जुलाई- अगस्त है। इसके लिए जून माह में 1 3 1 3 1 मीटर के गड्ढे 8-10 मीटर की दूरी पर खोदें। इन गड्ढों को 20-30 दिनों तक खुला छोड़ कर 10-15 किलोग्राम गोबर की सड़ी

खाद तथा क्लोरोपायरीफॉस 4 प्रतिशत चूर्णत प्रति गड्ढा मिलाकर भर दें।

शिखर रोपण विधि

पुराने बीजू पौधों को कलमी पौधों में बदलने के लिये छोटी कलम बांधना चाहिये। इसके लिये पेड़ की मोटी शाखाओं को जमीन से उचित ऊँचाई (2.5-3.0 मी.) पर मार्च में शिखर से काट कर कटे हिस्से को गीली मिट्टी और टाट से ढंक देते हैं। जब इन कटे हुए भागों में नई शाखाएं निकल कर कलम बांधने योग्य हो जाएं तो उन पर जुलाई में कलिकायन कर दें तथा कलिकाओं को अच्छी तरह फुटाव उपरान्त पुरानी शाखाओं को ऊपर से काट दें। इस प्रकार से पौधों में तीसरे वर्ष से उपज प्राप्त होने लगती है।

खाद एवं उर्वरक

एक वर्ष के पौधे को 10 किग्रा. गोबर खाद, 100 ग्राम यूरिया, 150 ग्राम सुपर फास्फेट एवं 100 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश दें। यह मात्र इसी दर से 8 वर्ष तक बढ़ाते रहें। पौधों में उर्वरकों का उपयोग मार्च-अप्रैल में तथा गोबर खाद का प्रयोग जुलाई माह में करें।

सिंचाई:- बेल के नये स्थापित बगीचों में गर्मी से सात दिन के अन्तराल पर व शीतकाल में 15 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करें। गर्मियों में बेल का पौधा अपनी पत्तियां गिरा कर सुषुप्तावस्था में चला जाता है। सिंचाई की सुविधा होने पर मई - जून के महीने में नई पत्तियां आने के बाद 20-30 दिनों के अन्तराल पर दो सिंचाई करें।

निराई - गुडाई

बेल के थालों में खाद एवं उर्वरक के प्रयोग के समय हल्की गुड़ाई करें।

पौधों की कटाई - छंटाई

पौधों की साफ सुथरी प्ररोह विधि से करना उत्तम होता है। सधाई का कार्य शुरू के 4-5 वर्षो में ही करें। मुख्य तने को 75 सेमी. तक अकेला रखें। तत्पश्चात 4-6 शाखायें चारों दिशाओं में बढ़ने दें। सूखी तथा कीड़ों एवं बीमारियों से ग्रसित टहनियों को समय-समय पर निकालते रहें।

अन्त फसलें

शुरू के वर्षो में नये पौधों के बीच खाली जगह का प्रयोग अन्तः फसल लगा कर करें। इसके लिए दलहनी फसलें- मटर, ग्वार, लोबिया, मूंग, उड़द एवं सब्जियों- बैंगन, टमाटर, पालक, धनिया, मिर्च व लहसुन आदि को उगाया जा सकता है।

फसलों की तुड़ाई व उपज

फसल अप्रैल- मई माह मे तोड़ने योग्य हो जाते हैं जब फलों का रंग गहरे हरे रंग में बदल कर पीला हरा होने लगे तब फलों की तुडाई 2 सेमी. डण्डल के साथ करें।

कलमें पौधों में 3-4 वर्षो में फलत प्रारम्भ हो जाती है, जबकि बीजू पेड़ों में फलत 7-8 वर्ष में होती है।

पूर्ण विकसित वृक्ष (10-15 वर्ष) की उन्नत प्रजाति के पौधे से 200-400 बड़े फल एवं बीजू पौधों से प्रति पेड़ 100-200 छोटे फल प्राप्त होते हैं।

भण्डारण

बेल के फलों को शीत संग्रहण में 90 डिग्री सेल्सिसय तापमान पर 3 माह तक सुरक्षित रख सकते हैं।

बेल के प्रमुख कीट एवं व्याधियॉ तथा उनका प्रबन्धन

अल्टरनेरिया लीफस्पॉटः- पत्तियों पर गहरे भूरे रंग के अनियमित आकार के धब्बे दिखाई देते हैं।

प्रबन्धन

कापर आक्सीक्लोराइड के 0.2 प्रतिशत के घोल का छिड़काव करें।

केंकर

इस रोग से प्रभावित भागों पर जलशोषित धब्बे बन जाते है जो कि बढ़कर भूरे हो जाते हैं। रोगग्रस्त पत्तियों पर छिद्र बन जाते हैं।

प्रबन्धन

स्ट्रेप्थसाइक्लीन 100-200 पी.पी.एम. का छिड़काव करें।

फलों का फटना

बोरोन व नमी की कमी की वजह से फल फटने लगते हैं अथवा पकने से पूर्व उनमें दरार पड़ने लगती है।

प्रबन्धन

बोरेक्स 0.4 प्रतिशत का छिड़काव करें व नियमित सिंचाई करें।

शाकीय फसलों में प्रमुख प्राकृतिक शत्रुओं को पहचानें

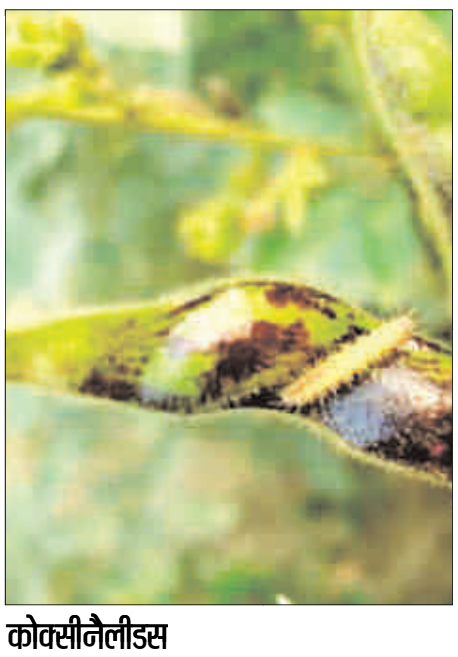

कोक्सीनैलीडस

शाकीय फसल के खेतों में सोनपंखी भृंग प्रचलित रूप से पाये जाते हैं। सोनपंखी भृंग चेपों, सफेद मक्खी, स्केल कीटों,

अण्डों, निम्फों और वयस्कों से अपना भोजन प्राप्त करते हैं विशेष रूप से ये बड़ी मात्रा में चेंपा से भोजन प्राप्त करते हैं। लार्वा, वयस्कों की अपेक्षा अधिक दक्ष परभक्षी होते हैं विशेष रूप से चौथा इनस्टार लार्वा अन्य इनस्टारों की अपेक्षा अधिक खाऊ भक्षक होते हैं। वे दिखने में बहुत उग्र होते हैं जिससे अक्सर लोगों को यह भ्रम होता है कि वे बहुत नुकसान पहुँचा सकते हैं जो कि सत्य नहीं है। सोनपंखी भृंग में नर भक्षण भी पाया जाता है। सी. सैप्टमपंकटाटाः वयस्क आधे मटर के आकार का होता है। पीले से लाल भूरा होता है और इसके

काले रंग के होते हैं। प्यूपा हल्के भूरे रंग का होता है जिस पर काले बिन्दु लगे होते हैं। और ये पिछले सिरे की पत्तियों पर लगे हुए होते हैं। अण्डा 1-2 मि.मी. लम्बा और पीले रंग का होता है। मीनोकाईलिस सेक्समाकुलेट्सः काले धब्बों वाला सोनमुखी भृंग है। अवतानित आधार पर लम्बा और संकरा काला बैण्ड छोटे और संकरे अनुदैर्ध्य संकीर्णन या लाइन द्वारा अनुप्रस्थ अण्डाकार काले विम्बीय स्थल से जुड़ा होता है।

ग्रीन लेस विंग्स

क्राइसोपा चेंपा, कुटकी, फुदका, सफेद मक्खी, थ्रिप्स, बॉलवर्म और अन्य अनेक छोटे कीटों से अपना भोजन प्राप्त

हरे या कभी-कभी भूरे होते हैं। इनकी सुनहरी आंखें होती हैं और नाजुक नेटदार पंख होते हैं।

लार्वा, जो कि बहुत अधिक सक्रिय होते हैं, धूसर या भूरे रंग के होते हैं तथा ऐलीगेटर प्रकार के होते हैं। इनकी पूरी तरह

मि.मी. से 6-8 मि.मी. तक बढ़ते हैं। जो कि कुछ ही दिनों में धूसर रंग के हो जाते हैं। युवा लार्वे निर्जलीकरण के संवेदनशील होते हैं। उन्हें नमी के स्रोत की आवश्यकता होती है।

प्रेइंग मेंटिस

प्रेइंग मेंटिस परभक्षी होते हैं और वे जीवित कीटों का शिकार करते हैं। वे अपने शिकार का पास आने के लिए इंतजार करते हैं और फिर तेजी से उनको पकड़ लेते हैं। मेंटिस अपने शिकार पर आक्रमण करने के लिए आगे की दो टांगों का इस्तेमाल करते हैं। वे रात के समय सक्रिय होते हैं। वयस्क प्रेइंग मेंटिस लंबाई में 1 से.मी. से लेकर अनेक इंचों तक अलग-अलग आकार के होते हैं। वे अपने आस-पास के वातावरण में घुल जाते हैं और उनकी नजर बहुत तेज होती है। इनमें प्रायः लैंगिक नर भक्षण भी देखा गया है।

ड्रेगन फलाई

अन्य नुकसानदायक छोटे कीटों जैसे मधुमक्खियों, तितलियों और मक्खियों को खाते हैं। उनके लार्वा जलचर होते हैं। वे अपने शिकार को स्पाइकों से भरी हुई टांगों से कसकर पकड़े रखती हैं। वे अपने शिकार को अपने फैलाये जा सकने वाले जबड़ों का प्रयोग करते हुए पकड़ती हैं। वयस्क ड्रेगन फ्लाई की जीवन अवधि केवल कुछ ही महीने है। इसका अधिकांश जीवन जल सतह के नीचे लार्वा की स्थिति में ही बीत जाता है। मादा ड्रेगन फ्लाई प्रायः पानी में तैरने वाले या जलमग्न पौधों पर या उसके आस-पास अंडे देती हैं। बड़ी ड्रेगन फ्लाई की लार्वा स्थिति पांच वर्षों तक चल सकती है।

डैमसल फ्लाई

वे जलीय वनस्पति और नहरों और तालाबों के नीचे पैदा होती हैं। वे जलीय कीटों और अन्य संधिपादों को खाती हैं। डैमसल फ्लाई वयस्क अपना शिकार पकड़ने के लिए अपनी टांगों को इस्तेमाल करती हैं जो कि बालों से ढकी होती हैं। वे

हुए खा जाता है। वयस्क सामान्यतया पानी के नजदीक पाए जाते हैं। डैमसल फ्लाई के लंबे पतले शरीर होते हैं और वे प्रायः हरे, नीले, लाल, पीले, काले या भूरे चमकदार रंगों के होते हैं।

ट्राइकोग्रामा प्रजाति

ट्राइकोग्रामा बहुत ही छोटे बर्र होते हैं। वे बेधकों के परजीवी होते हैं। परजीवी अण्ड कार्डों को पौधे की पत्तियों के निचले किनारे की तरफस्टैपल किया जा सकता है जिससे कि परजीवी उभर सकें और परपोशी अण्डों पर आक्रमण कर सकें। प्रत्येक मादा लगभग 100 अण्डों का परजीवन करती है। छोटा जीवन चक्र होने के कारण बर्रों की जनसंख्या तेजी से बढ़ती है ट्राइकोग्रामा 75 प्रतिशत आर्द्रता के साथ 23-25 डिग्री सेंटीग्रेड के तापमान पर सक्रिय होता है। प्राकृतिक शत्रुओं की रक्षा करने वाली और उन्हें प्रोत्साहित करने वाली तथा नाशीजीवों पर उनके प्रभाव को बढ़ाने वाली फसल पद्धतियों का प्रयोग करते हुए परजीवियों का संरक्षण महत्वपूर्ण है। ट्राइकोग्रामा वाणिज्यिक सप्लायरों के पास आसानी से उपलब्ध है।

न्यूक्लिलयर पॉलीहिड्रोसिस वायरस

एनपीवी एक विशिष्ट प्रकार का रोग है। पौधों पर शाम के समय किसी भी स्प्रडेर/स्टिकर या डिटर्जेंट पाउडर के 0.5 प्रतिशत और 0.1 प्रतिशत जैगरी घोल जैसे सहौशधों संयोजकों के साथ 250 एल ई/हेक्टर की दर से विषाणु घोल का छिड़काव किया जाता है। यह तम्बाकू की इल्ली और सभी शाकीय फसलों पर फल बेधकों के विरूद्ध बहुत अधिक प्रभावकारी है।

एनपीवी से संक्रमित हो जाते हैं। संक्रमित लार्वा आलसी हो जाता है और भोजन करना बंद कर देता है। बाद में संक्रमित लार्वा काला हो जाता है। यह पर्ण समूह पर टंगा हुआ देखा जाता है। न्यूक्लिलयर पॉलीहाइड्रोसिस वायरस में अनेक पॉलीहेड्रिल समावेशी कायाएं होती हैं जिनमें कि छड़ की प्रकार के विषाणु कण होते हैं। यह शहद की मक्खियों, मछली, स्तनधारियों और कीटों के प्राकृतिक शत्रुओं के लिए सुरक्षित हैं और इन्हें ठण्डे स्थान पर संग्रहित किया जा सकता है।

परभक्षी बर्रः पीले बर्र अनेक कीटों को अपना शिकार बनाते हैं जिन्हें कि नाशीजीव माना जाता है। वे मधुमक्खियों का भी शिकार करते हैं लेकिन मधुमक्खियों से अलग इन बर्रों की कॉलोनियां प्रत्येक सर्दी के मौसम के प्रारम्भ होने पर ही मर जाती हैं। प्रत्येक सामाजिक बर्र कॉलोनी में एक रानी और

रानियां भी होती हैं। कॉलोनी का आकार और संरचना भिन्न-भिन्न होती है और यह कुछ दर्जन से लेकर हजारों तक हो सकती है। मनुष्य को इनके द्वारा काटे जाने का पता उसको होने वाली एलर्जी से चलता है।

कोटेशिया

कोटेशिया इल्लियों जैसे तम्बाकू की इल्ली और चने की इल्ली का परजीवी है। कोटेशिया प्रजाति के वयस्क छोटे, गहरे रंग के बर्र होते हैं और छोटी मक्खियों से मिलते-जुलते होते हैं। उनके दो जोड़ी पंख होते हैं, पिछे के पंख आगे के पंखों से छोटे होते हैं। एन्टीना 1.5 मि.मी. लंबे और ऊपर की तरफगोलाई लिए हुए होते हैं (मुड़े हुए नहीं होते)। मादा का पेट संकरा होता हुआ बाहर की ओर मुड़ा होता है जिसे कि ऑविपॉजीटर कहते हैं जिसे वह अंडे देती है। प्यूपा परपोषी लार्वा या पौधे की पत्तियों से जुड़े पीले, रेशमी कोकून के अनियमित द्रव्य के रूप में होते हैं।

मकड़ी

मकड़ियां व्यापक रूप से होती हैं और वे अनेक कीटों से अपना भोजन प्राप्त करते हुए उत्कृष्ट परभक्षी होती हैं। मकड़ी की कुछ प्रजातियां अपने शिकार को पकड़ने के लिए जालों का प्रयोग करती हैं जबकि अन्य प्रजातियां अपना शिकार लुक-छिपकर करती हैं। कुछ मकड़ियां चींटियों को भी खाती हैं। वृत्ताकार जालों को बुनने वाली ये मकड़ियां अपने शिकार को पकड़ने के लिए अपने जालों का जल्दी-जल्दी फिर से निर्माण करती हैं, उनका पुनः चक्रण करते हुए अर्थात् इस प्रक्रिया में पुराने जाल को खाते हुए।

सिर्फिड मक्खी

सिर्फिड मक्खी की अनेक प्रजातियां चेपा और साथ ही मिली बग, सफेद मक्खियों, लैपिडॉप्टेरीन लार्वा और लाभप्रद कीटों के परभक्षी होती हैं। वयस्क सामान्यतया चमकदार रंग के, मधुमक्खियों और बर्रों से मिलते-जुलते होते हैं। सिर्फिड लार्वा दिखने में और आदतों में भिन्न-भिन्न होते हैं। वे या तो अविकल्पी या विकल्पी परभक्षी होते हैं। लार्वे कुछ-कुछ लोष्ट प्रकार के होते हैं और सिर की तरफसे शुंडाकार होते हैं। प्यूपों की आकृति विशेष प्रकार से रेजिन बिन्दु प्रकार की होती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

लेबनान में चिंताजनक हालात, बेरूत स्थित भारतीय दूतावास ने यात्रा से बचने को कहा

बेरूत, एजेंसी। पश्चिम एशियाई देश लेबनान में चिंताजनक हालात को देखते हुए बेरूत स्थित भारतीय दूतावास ने ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। भारतीय दूतावास ने नागरिकों से युद्धग्रस्त और संघर्ष वाले इलाकों की यात्रा करने से बचने को कहा है। आपात स्थिति में दूतावास की तरफ से नागरिकों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर- +96176860128 भी जारी की गई है। बेरूत स्थित भारतीय दूतावास ने देर रात एक्स पर एक पोस्ट कर लिखा कि 1 अगस्त, 2024 को जारी सलाह के अनुसार और पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों और तनाव को देखते हुए, भारतीय नागरिकों को अगले आदेश तक लेबनान की यात्रा न करने की सख्त सलाह दी जाती है। लेबनान में पहले से मौजूद सभी भारतीय नागरिकों को भी देश छोड़ने की सख्त सलाह दी जाती है। जो लोग किसी भी कारण से लेबनान में रह रहे हैं उन्हें अत्यधिक सावधानी बरतने, अपनी गतिविधियों को सीमित रखने और बेरूत में भारतीय दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह भी दी गई है। गौरतलब है कि बीते एक हफ्ते में इस्राइली सेना ने लेबनान में हिजबुल्ला के सैकड़ों ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले किए हैं। इस्राइली सेना के हमले में महिलाओं-बच्चों समेत 400 से अधिक लोगों की मौत हुई है। हजारों लोग हताहत हुए हैं।

पुरुष सहकर्मी ने महिला पुलिसकर्मी की गोली मारकर हत्या की

लाहौर , एजेंसी। पाकिस्तान के लाहौर में एक महिला पुलिसकर्मी की उसके पुरुष सहकर्मी ने गोली मारकर हत्या कर दी। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, मृतका कांस्टेबल सोमन (27) लाहौर पुलिस की दंगा-रोधी शाखा में कार्यरत थी। उन्हें घातक हमले में तीन बार गोली मारी गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कथित हत्यारे पुलिसकर्मी की पहचान फारूक के रूप में हुई है। वह अपराध को अंजाम देने के बाद मौके से फरार गया। चश्मदीदों ने कहा कि फारूक पीड़िता को प्रताड़ित कर रहा था, जिसके बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों ने हस्तक्षेप करके उसे काबू में कर लिया। हालांकि, स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, बाद में फारूक ने पिस्तौल निकाली और एकत्रित भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हवा में गोलियां चलाईं। इस बीच संदिग्ध ने कथित तौर पर महिला कांस्टेबल को तीन बार गोली मारी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम और फोरेंसिक विशेषज्ञ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की घेराबंदी कर दी। घटनास्थल की जांच के बाद पुलिस ने मृत महिला के पर्स से एक सर्विस कार्ड बरामद किया है, जिससे उसकी पहचान एक कांस्टेबल के रूप में हुई। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए शहर के मुर्दाघर में भेज दिया गया और संदिग्ध के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के मुताबिक, हत्या के पीछे का मकसद अभी तक अज्ञात है। साथ ही संदिग्ध का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीमें लगी हैं।

पाकिस्तान में शिया और सुन्नी समुदायों के लोगों के बीच झड़प में 25 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में भूमि विवाद को लेकर शिया और सुन्नी समुदाय के लोगों के बीच कई दिन से जारी झड़पों में कम से कम 25 व्यक्तियों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले में पिछले सप्ताह के अंत में शुरू हुई झड़पें बुधवार को भी जारी रहीं। उन्होंने बताया कि शनिवार से झड़पों में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। हाल के वर्षों में कुर्रम सांप्रदायिक हिंसा का केंद्र रहा है। अधिकारियों ने बताया कि वे देश के अशांत उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में भूमि विवाद को सांप्रदायिक हिंसा में बदलने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं। इस क्षेत्र में दोनों पक्षों के चरमपंथी समूह काफी सक्रिय हैं। प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता बैरिस्टर सैफ अली ने कहा कि अधिकारी कबायली बुजुर्गों की मदद से तनाव को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कुर्रम में शांति वार्ता के बाद दोनों पक्ष किसी भी तरह की हिंसा न करने पर सहमत हो गए हैं। सुन्नी बहुल पाकिस्तान की 24 करोड़ आबादी में लगभग 15 प्रतिशत शिया मुसलमान हैं तथा दोनों समुदायों के बीच काफी समय से तनाव रहा है। वैसे तो दोनों समुदाय के लोग देश में काफी हद तक शांतिपूर्ण ढंग से रहते हैं फिर भी कुछ क्षेत्रों में खासकर कुर्रम जिले के कुछ ऐसे हिस्सों में उनके बीच दशकों से तनाव देखा गया है जहां शिया समुदाय का प्रभुत्व है।

ट्रंप के बाद ओबामा की सुरक्षा में चूक, हथियारबंद शख्स पूर्व राष्ट्रपति की कार के पास पहुंचा, फिर...

वॉशिंगटन, एजेंसी। रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर हाल ही में जानलेवा हमला हुआ था, तब अमेरिका की सीक्रेट सर्विस पर सवाल खड़े हो गए थे। अब एक बार फिर संघीय एजेंसी सवालों के घेरे में हैं। बताया जा रहा इस बार पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की सुरक्षा में लापरवाही हुई है। दरअसल, एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि डेमोक्रेट नेता से कथित तौर पर लॉस एंजिल्स में एक हथियारबंद व्यक्ति ने संपर्क किया था। हालांकि, एजेंसी ने स्पष्ट किया कि ये दावे गलत हैं और पूर्व राष्ट्रपति की सुरक्षा को लेकर कोई डर नहीं है।

ओबामा अपनी कार में बैठे थे : रिपोर्ट के अनुसार, ओबामा लॉस एंजिल्स में अपने पसंदीदा रेस्तरां मदर वुल्फ के बाहर अपनी कार एसयूवी में बैठे थे, तभी एक व्यक्ति उनकी गाड़ी के पास पहुंचा। उस समय पूर्व राष्ट्रपति अपने लैपटॉप पर काम कर रहे थे। इस पर सीक्रेट सर्विस ने सफाई देते हुए इन दावों को गलत बताया।

यह रही सीक्रेट सर्विस की सफाई : सीक्रेट सर्विस के एक प्रतिनिधि ने कहा, सीक्रेट सर्विस हमारे सुरक्षा के साधनों और तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दे सकती, लेकिन हम इस बात की पुष्टि कर सकते हैं कि जब व्यक्ति गली से नीचे जा रहा था, उस समय कोई भी

सीक्रेट सर्विस सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति वाहन में मौजूद नहीं था। ये दावे गलत हैं। विवादित फोटो वहां से निकलने के समय की है, कथित घटना के दौरान की नहीं।

क्या कहा प्रत्यक्षदर्शियों ने : हालांकि, मीडिया रिपोर्ट में प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से इसके उलट बताया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है, एक सशस्त्र सुरक्षा गार्ड ओबामा से कुछ इंच की दूरी पर था। उसने देखा कि पूर्व राष्ट्रपति अपनी एसयूवी की पिछली सीट पर बैठे लैपटॉप का इस्तेमाल कर रहे हैं। तभी गार्ड घबरा गया क्योंकि उसे एहसास हुआ कि उसके पास हथियार है और कार के अंदर बैठा शख्स सीक्रेट सर्विस की सुरक्षा में हैं। इसके बाद वह तुरंत कार से दूर चला गया।

सीक्रेट सर्विस सुरक्षा चूक के आरोप पर प्रारंभिक रिपोर्ट में क्या कुछ : एक सशस्त्र सुरक्षा गार्ड का दावा है कि वह शनिवार को पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा से कुछ फीट की दूरी पर आ गया था, जिसे उसने सीक्रेट सर्विस की सुरक्षा चूक बताई। सुरक्षा गार्ड ने अपनी पहचान उजागर नहीं करते हुए बताया कि पूर्व राष्ट्रपति की गाड़ी शनिवार शाम साढ़े सात बजे हॉलीवुड की एक गली में स्थित मदर वुल्फ रेस्तरां के बाहर खड़ी थी। किसी ने उसे बताया था कि संघीय एजेंट बाहर तैनात हैं, जिसके बाद वह नीचे चला गया था। उसने गली में दो सीक्रेट सर्विस एजेंट देखे। दूसरी तरफ, उसने होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की प्लेट वाली एक काली एसयूवी देखी।

मीडिया आउटलेट ने एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें एसयूवी में बैठे बराक ओबामा दिखाई दे रहे हैं। सुरक्षा गार्ड ने दावा किया कि उसे नहीं पता था कि कार में बराक ओबामा हैं। वह जब पास पहुंचा तब उसे पता चला। वह ओबामा को देखते ही घबरा गया और उसे एहसास हुआ कि अगर सीक्रेट सर्विस ने उसकी बंदूक देख ली तो उसे गोली मारी जा सकती है। उसने दावा किया कि वह जल्दी से पीछे हट गए और सीक्रेट सर्विस एजेंटों को हेलो कहकर वहां से चले गए। सुरक्षा गार्ड ने दावा किया, एजेंट भी मुझे वहां देखकर चौंक गए थे। करीब आधा घंटा बाद एजेंटों ने मेरे बॉस से संपर्क किया और बंदूक और परिचय पत्र सौंपने को कहा।

बांग्लादेश के बदले सुर, जल्द ही भारत से सीमा पार नदियों के जल बंटवारे पर करेगा बातचीत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश शीघ्र ही भारत के साथ सीमा पार नदियों के जल बंटवारे पर बातचीत करने के लिए कदम उठाएगा। अंतरिम सरकार के एक सलाहकार ने बुधवार को यह जानकारी दी। भारत और बांग्लादेश 2011 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की ढाका यात्रा के दौरान तीस्ता जल बंटवारे पर एक समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले थे, लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने राज्य में पानी की कमी का हवाला देते हुए इसका समर्थन करने से इनकार कर दिया। सरकारी बीएसएस समाचार एजेंसी की खबर के अनुसार, यहां 'साझा नदियों के जल पर बांग्लादेश का उचित हिस्सा शीर्षक से आयोजित एक संगोष्ठी में जल संसाधन सलाहकार सईदा रिजवाना हसन ने कहा कि बांग्लादेश शीघ्र ही भारत के साथ सीमा पार नदियों के जल बंटवारे पर बातचीत करने के लिए कदम उठाएगा। बातचीत जनता की राय पर विचार करने के बाद की जाएगी और बातचीत के नतीजों को लोगों के साथ साझा किया जाएगा। रिजवाना ने कहा कि यद्यपि अंतरराष्ट्रीय नदियों का जल बंटवारा एक जटिल मुद्दा है, उन्होंने कहा कि एक देश वर्षा के आंकड़े तथा नदियों में संरचनाओं की स्थिति के बारे में जानकारी चाह सकता है और आंकड़ों के आदान-प्रदान से जान-माल को होने वाले नुकसान को रोकने में मदद मिल सकती है।

अमेरिकी नौसेना को बड़ा झटका, ईंधन भरने वाले जहाज यूएसएनएस बिग हॉर्न को पहुंचा बड़ा नुकसान

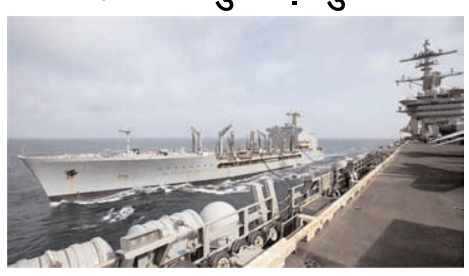

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नौसेना का एक महत्वपूर्ण जहाज, यूएसएनएस बिग हार्न, जो युद्धपोतों को ईंधन की आपूर्ति करता है, को गंभीर नुकसान पहुंचा है। यह घटना तब हुई जब इसने अमेरिकी विमानवाहक पोत स्स अब्राहम लिंकन स्ट्राइक ग्रुप को ईंधन भरने का काम पूरा किया। अधिकारियों ने घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है, लेकिन विस्तृत जानकारी अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। यूएसएनएस बिग हॉर्न अमेरिकी नौसेना का हेनरी जे कैजर क्लास का एक फ्लीट रिफ्यूलिंग (ईंधन भरने वाला) जहाज है, जो युद्धपोतों को संचालन के दौरान ईंधन और आपूर्ति की सुविधा प्रदान करता है। यह पोत लगातार यूएसएस अब्राहम लिंकन जैसे विमानवाहक पोतों को महत्वपूर्ण समर्थन देता है, जो इस समय मध्य पूर्व के तनावपूर्ण माहौल में इज़राइल-हमास युद्ध और इज़राइल द्वारा लेबनान में हिज़बुल्लाह पर किए जा रहे हमलों के बीच क्षेत्र में तैनात है। घटना के समय यूएसएनएस बिग हॉर्न ने अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और उसके साथ अन्य युद्धपोतों को सफलतापूर्वक ईंधन और आपूर्ति प्रदान की थी। इसके बाद, यह जहाज अचानक क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, अमेरिकी नौसेना ने अभी तक स्पष्ट रूप से यह नहीं बताया है कि यह क्षति कैसे हुई या किस तरह की तकनीकी या यांत्रिक समस्या इसका कारण बनी। यूएसएस अब्राहम लिंकन स्ट्राइक ग्रुप अभी भी इस क्षेत्र में गश्त कर रहा है, खासकर अरब सागर में। यह क्षेत्र हाल के दिनों में काफी तनावपूर्ण बना हुआ है, विशेषकर इज़राइल और हमास के बीच जारी संघर्ष और इज़राइल द्वारा हिज़बुल्लाह पर किए जा रहे हमलों के चलते। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि यूएसएनएस बिग हॉर्न की पूरी टीम सुरक्षित है।

चीन में 74 साल बाद बदले रिटायरमेंट नियम, 80 साल तक करना पड़ेगा काम!

बीजिंग, एजेंसी। चीन सरकार ने 74 साल बाद देश में रिटायरमेंट की उम्र में बदलाव का ऐलान किया है, जिससे लोगों में काफी असंतोष है। यह फैसला 13 सितंबर को सरकार ने मंजूर किया और कहा कि यह धीरे-धीरे लागू होगा। पहली बार 1950 के बाद रिटायरमेंट नियमों में बदलाव हो रहा है, और इसका मुख्य उद्देश्य देश की बढ़ती बुजुर्ग आबादी के कारण पेंशन सिस्टम पर पड़ रहे भारी बोझ को कम करना है। यह नया कानून 1 जनवरी 2025 से लागू होने की उम्मीद है, लेकिन इसका विरोध काफी बढ़ता जा रहा है। चीन में जीवन प्रत्याशा 1960 में 44 साल थी, जो 2021 में 78 साल तक पहुंच गई है और 2050 तक 80 साल से अधिक हो सकती है। बढ़ती बुजुर्ग आबादी और घटती युवा कामकाजी जनसंख्या के कारण सरकार ने रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाने का फैसला किया है। पेंशन सिस्टम पर पड़ रहे दबाव को कम करने के लिए यह जरूरी हो गया है, क्योंकि देश का मुख्य पेंशन फंड 2035 तक खत्म होने का अनुमान है। कोविड-19 महामारी ने चीन की अर्थव्यवस्था को भी कमजोर कर दिया, जिससे सरकार को यह कड़ा कदम उठाना पड़ा। चीन की सरकार के पास पेंशन देने के लिए पर्याप्त धन नहीं है। चीनी अकादमी ऑफ सोशल साइंसेज के अनुसार, देश का मुख्य पेंशन फंड 2035 तक खत्म हो सकता है। कोविड-19 महामारी ने चीन की अर्थव्यवस्था को और नुकसान पहुंचाया, जिससे रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाने की जरूरत महसूस हुई, ताकि सरकारी खजाने पर बोझ कम हो सके।

न्यूयॉर्क में हुई जी4 देशों के विदेश मंत्रियों की मुलाकात, सुरक्षा परिषद के तत्काल सुधार पर दिया जोर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में चार देशों के समूह (जी4) ब्राजील, जर्मनी, जापान और भारत के विदेश मंत्रियों ने मुलाकात की। इस दौरान स्थिति का आकलन किया गया और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की संभावनाओं पर चर्चा की गई।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि ब्राजील के विदेश मंत्री मौरो विएरा, जर्मनी की संघीय विदेश मंत्री अनालेना बेयरबॉक, भारत के विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर और जापान के विदेश मंत्री योको कामिकावा ने 23 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र के दौरान स्थिति का आकलन करने और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की।

मौजूदा महत्वपूर्ण चुनौतियों का उल्लेख किया : जी4 मंत्रियों ने संयुक्त राष्ट्र के मूल में बहुपक्षीय प्रणाली के लिए मौजूदा महत्वपूर्ण चुनौतियों का उल्लेख किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि संयुक्त राष्ट्र को समकालीन भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करने और इस प्रकार वर्तमान और भविष्य के लिए उपयुक्त बनाने के किसी भी प्रयास का एक अनिवार्य हिस्सा सुरक्षा परिषद का व्यापक सुधार है। उन्होंने 22 और 23 सितंबर 2024 को भविष्य के शिखर सम्मेलन का स्वागत किया, जहां विश्व नेताओं ने सुरक्षा परिषद के तत्काल सुधार का जोरदार आह्वान किया।

ब्राजील की पहल का भी स्वागत : इस संबंध में, जर्मनी, भारत

और जापान के मंत्रियों ने जी-20 की ब्राजील की अध्यक्षता के संदर्भ में वैश्विक शासन सुधार पर कार्रवाई के लिए आह्वान शुरू करने की ब्राजील की पहल का भी स्वागत किया। उन्होंने वैश्विक शासन को बदलने के महत्व पर जोर दिया और इस बात पर जोर दिया कि भविष्य के शिखर सम्मेलन के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार पर चर्चा सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार का आह्वान जी-4 मंत्रियों ने सदस्यता की स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार का आह्वान किया। इसका इस दौरान काफी संख्या में सदस्य देशों ने इसका समर्थन किया ताकि परिषद की वैधता बढ़ाई जा सके और इसकी प्रभावशीलता सुनिश्चित की जा सके।

वे सुरक्षा परिषद में दोनों सदस्यता श्रेणियों में विकासशील देशों और अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले देशों की भूमिका और भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर सहमत हुए। इस संबंध में, उन्होंने दोनों सदस्यता श्रेणियों में अफ्रीका, एशिया-प्रशांत, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन जैसे कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों और क्षेत्रों के बेहतर प्रतिनिधित्व के महत्व पर भी जोर दिया। मंत्रियों ने एजुल्विनी सर्वसम्मति और सिर्ते घोषणा में निहित अफ्रीकी स्थिति के प्रति अपने मजबूत समर्थन की पुष्टि की।

अमेरिका में एक महीने में दूसरी बार मंदिर में तोड़फोड़, आपत्तिजनक नारे भी लिखे गए, जानें कहां हुई घटना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर को लगातार निशाना बनाया जा रहा। पिछले कुछ दिनों में कई हिंदू मंदिरों पर हमला देखा गया है। न्यूयॉर्क की घटना को अभी 10 दिन भी नहीं बीते थे। अब कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटो में स्थित बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर को निशाना बनाया गया है। मंदिर के बाहर लगे बोर्ड पर हिंदू विरोधी टिप्पणी लिखी गई है।

घृणा अपराध की जांच कर रही पुलिस : सैक्रामेंटो काउंटी के पुलिस अधिकारी हेट क्राइम यानी घृणा अपराध की जांच कर रहे हैं। रैंचो कॉर्डोवा क्षेत्र में आर्मस्ट्रांग एवेन्यू पर बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर मौजूद है। सैक्रामेंटो माथेर हवाई अड्डे के ठीक उत्तर में यह मौजूद है। मंदिर के बाहर लगे बोर्ड पर हिंदुओं वापस जाओ लिखा था।

पानी की लाइन को भी काटा : पार्किंग स्थल के सामने लगे साइन बोर्ड पर भारत सरकार का उल्लेख करते हुए टिप्पणी लिखी गई। अधिकारियों ने कहा कि हमलावरों ने मंदिर से जुड़ी पानी की लाइन को भी काट दिया। यह हमले ऐसे समय में हो रहे हैं जब हाल ही में पीएम मोदी अमेरिका की यात्रा पर गए थे। अमेरिका और कनाडा में हिंदू मंदिरों पर इस तरह के हमले पहले खालिस्तान समर्थकों की ओर से किए जाते रहे हैं।

धार्मिक कट्टरता और नफरत के लिए कोई जगह नहीं : अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में सीए 06 और सैक्रामेंटो काउंटी का प्रतिनिधित्व करने वाले अमी बेरा ने एक्स पर कहा, सैक्रामेंटो काउंटी में धार्मिक कट्टरता और नफरत के लिए कोई जगह नहीं है। मैं हमारे समुदाय में बर्बरता के इस स्पष्ट कृत्य की कड़ी निंदा करता हूं। हम सभी को असहिष्णुता के खिलाफ खड़ा होना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे समुदाय में हर कोई, धर्म की परवाह किए बिना, सुरक्षित और सम्मानित महसूस करे।

हिंदुओं को घर जाने के लिए कहा : मानवीय गरिमा, आपसी सम्मान और बहुलवाद को बढ़ावा देने वाले हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने हिंदू मंदिर को निशाना बनाकर किए गए घृणा अपराध का मुद्दा उठाने के लिए बेरी को धन्यवाद दिया। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने एक्स पर कहा, धन्यवाद बेरा। यह बर्बरता एक हिंदू विरोधी घृणा अपराध है, जो हिंदू मंदिर को निशाना बनाकर किया गया है, जिसमें हिंदुओं को भारत सरकार के साथ जोड़कर संदेश दिया गया है और हिंदुओं को घर जाने के लिए कहा गया है।

इससे पहले 17 सितंबर को हुई थी घटना : इससे पहले, इस साल 17 सितंबर को न्यूयॉर्क के बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में तोड़फोड़ की घटना हुई थी। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने भी बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर की तोड़फोड़ की निंदा की थी और इसे अस्वीकार्य करार दिया था। कई अमेरिकी सांसदों ने न्यूयॉर्क में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर के अनादर की निंदा की और अधिकारियों से जवाबदेही की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने देश में नफरत और हिंसा की बार-बार होने वाली घटनाओं पर भी चिंता जताई। भारतीय-अमेरिकी सांसद थानेदार ने इस घृणित कृत्य की कड़ी निंदा की और जोर देकर कहा कि तोड़फोड़, कट्टरता और घृणा के ऐसे कृत्यों की पूरी तरह से जांच होनी चाहिए।

विभिन्न देशों के राजदूत पाकिस्तान में 'राजनीतिक अराजकता' पर गंभीर चिंता जता रहे हैं : मरयम नवाज

इस्लामाबाद, एजेंसी। मरयम नवाज ने नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में निवेश करने से 'मित्र देशों' के हिचकिचाने की खबरों के बीच कहा कि विभिन्न देशों के राजदूत मुल्क में ''राजनीतिक अराजकता'' पर गंभीर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज एक देश के राजदूत ने नवाज शरीफ तथा मुझसे मुलाकात की और 'राजनीतिक अराजकता' के बारे में पूछा। लाहौर । पंजाब की मुख्यमंत्री मरयम नवाज ने नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में निवेश करने से 'मित्र देशों' के हिचकिचाने की खबरों के बीच बुधवार को कहा कि विभिन्न देशों के राजदूत इस मुल्क में ''राजनीतिक अराजकता'' पर गंभीर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। मरयम ने पंजाब के फैसलाबाद शहर में एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''आज एक देश के राजदूत ने (पूर्व प्रधानमंत्री और पीएमएल-एन अध्यक्ष) नवाज शरीफ तथा मुझसे मुलाकात की तथा पाकिस्तान में 'राजनीतिक अराजकता' के बारे में पूछा। नवाज शरीफ ने उन्हें बताया कि पाकिस्तान में राजनीतिक उथल-पुथल कोई नयी बात नहीं है और वह इसे देखते हुए ही बड़े हुए हैं।'' चीन के राजदूत जियांग जैडोंग ने बुधवार को लाहौर में नवाज तथा मरयम से मुलाकात की। इससे एक दिन पहले पाकिस्तान में अमेरिका के राजदूत डोनाल्ड ब्लोम ने दोनों नेताओं से मुलाकात की थी और देश में मौजूदा

राजनीतिक हालात पर चर्चा की थी। मरयम ने कहा कि पाकिस्तान में राजनीतिक उथल-पुथल आम बात है और उन्हें भी नहीं पता कि वह कितने समय तक पद पर बनी रहेंगी। उन्होंने कहा, ''देश में राजनीतिक अराजकता जारी है और मुझे भी नहीं पता कि मैं कब तक पद (मुख्यमंत्री) पर बनी रहूंगी।'' पिछले दो वर्षों से पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ रही है और देश की सबसे लोकप्रिय पार्टी - पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का सैन्य प्रतिष्ठान के साथ टकराव चल रहा है। पीटीआई सुप्रीमो और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान कई मामलों में एक साल से अधिक समय से जेल में हैं और सैन्य प्रतिष्ठान पर इस साल हुए आम चुनाव में व्यापक पैमाने पर धांधली के बाद शहबाज शरीफ की सरकार स्थापित करने का आरोप है। पीटीआई ने दावा किया कि इस चुनाव में उसने दो-तिहाई बहुमत हासिल किया था।

पुतिन ने पश्चिमी देशों को न्यूक्लियर हमले की चेतावनी दी

मॉस्को, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक बार फिर से पश्चिम देशों को परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी दी है। ञ्जष्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पुतिन ने राजधानी मॉस्को में बुधवार को सुरक्षा परिषद की तत्काल बैठक बुलाई थी। इसमें उन्होंने कहा कि सरकार परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से जुड़े नियम और शर्तों को बदलने जा रही है।

पुतिन ने कहा कि देश के परमाणु नियमों में कई नई चीजें जोड़ी जाएंगी। इसमें रूस के खिलाफ मिसाइल या फिर ड्रोन हमलों के खिलाफ परमाणु हथियारों का इस्तेमाल भी शामिल है। अगर रूसी इलाके में बड़े पैमाने पर मिसाइल या ड्रोन हमला होता है, जिससे देश की संप्रभुता पर गंभीर खतरा आ सकता है, तब भी रूस परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। रूसी राष्ट्रपति ने ये भी कहा कि यदि कोई गैर-परमाणु संपन्न देश किसी परमाणु संपन्न देश के समर्थन से रूस पर हमला करता है तो इसे दोनों देशों की तरफ से किया गया हमला माना जाएगा। उन्होंने कहा कि रूस के परमाणु हथियार, देश और उसके नागरिकों की सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी हैं। पुतिन बोले- परमाणु नीति में बदलाव समय की मांग पुतिन का ये बयान तब आया है, जब यूक्रेन पश्चिमी देशों से रूस में दूर तक हमला करने वाली मिसाइलों के इस्तेमाल की इजाजत मांग रहा है। पुतिन ने कहा कि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की शर्तों में बदलाव जरूरी था, क्योंकि दुनिया तेजी से बदल रही है। यूक्रेन को ब्रिटेन ने स्टॉर्म शैडो, अमेरिका ने आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम (ञ्जष्टरूस्) मिसाइलें दी हुई हैं। ये लंबी दूरी की घातक मिसाइलें हैं, जो करीब 300 किमी तक सटीक निशाना लगा

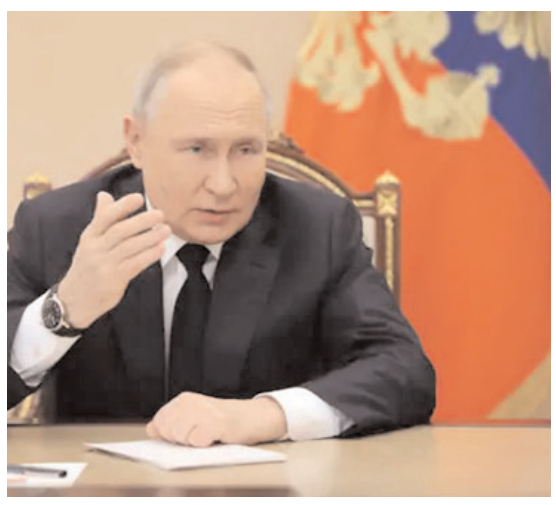

सकती हैं। यूक्रेन इन मिसाइलों का इस्तेमाल रूस में नहीं, बल्कि सिर्फ अपनी सीमा के भीतर ही कर सकता है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की चाहते हैं कि इन प्रतिबंधों को हटाया जाए, ताकि वे रूस के भीतर लंबी दूरी के हथियारों का इस्तेमाल कर सकें। बाइडेन से आज मिलेंगे जेलेंस्की यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की इस समय अमेरिका के दौरे पर हैं। वे गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात करने वाले हैं। इस दौरान वे रूस में लंबी दूरी के मिसाइलों का इस्तेमाल करने की इजाजत मांग सकते हैं। यह पहली बार नहीं है जब पुतिन ने पश्चिमी देशों को परमाणु युद्ध की धमकी दी है।

रूसी राष्ट्रपति ने 12 सितंबर को कहा था कि अगर पश्चिमी देश यूक्रेन को क्रूज मिसाइल के इस्तेमाल की अनुमति देते हैं तो इसका मतलब यह समझा जाएगा कि नाटो, रूस के खिलाफ जंग में उतर चुका है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है तो वे इसका जवाब जरूर देंगे। यूक्रेन ढाई साल से अमेरिका और पश्चिमी देशों के समर्थन से रूस के खिलाफ जंग लड़ रहा है। यूक्रेन ने अगस्त में रूस में घुस कर उसके कई इलाकों पर कब्जा कर लिया था। रूस अपने इलाकों को छुड़ाने की कोशिश में जुटा हुआ है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ताजमहल में दरारें और दीवारों से पौधे उगने पर योगी सरकार पर बरसे अखिलेश

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने बताया चिंता की बात नहीं

आगरा ।

सितंबर में हुई भारी बारिश के बाद, आगरा में स्थित ताजमहल में दरारें और पानी रिसने की घटना सामने आई है। इसके बाद विश्व धरोहर की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव सहित कई लोगों ने घटना के लिए योगी सरकार की आलोचना की है। इतना ही नहीं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की देखभाल पर सवाल उठाए हैं। दरअसल सोशल मीडिया पर ताजमहल की दीवारों से पौधे उगने के वीडियो वायरल होने के बाद यह मामला चर्चा में है। एएसआई ने हालांकि किसी भी गंभीर संरचनात्मक क्षति से इंकार किया है।

सितंबर में हुई भारी बारिश के बाद ताजमहल की संगमरमर की दीवारों पर दरारें दिखाई देने लगी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बारिश के बाद ताजमहल की दीवारों, फर्श और अन्य हिस्सों में दरारें आ गई हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में इस धरोहर स्थल की टूटी हुई जाली और दीवारों में दरारें साफ दिख सकती हैं। जानकारों का कहना है कि मुख्य गुंबद पर उकेरे गए कुरान के छंद भी फीके पड़ने लगे हैं। जानकार ने बताया कि मुख्य गुंबद के आसपास के दरवाजों पर अरबी भाषा में कुरान की आयतें खुदी हुई हैं, जिनके अक्षर मिटने लगे हैं।

अखिलेश ने उठाए सवाल

ताजमहल के रखरखाव के लिए एएसआई के संरक्षण प्रयासों पर सवाल उठ रहे हैं। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश ने वीडियो शेयर किया जिसमें ताजमहल के सफेद संगमरमर पर पौधे उगे हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि बीजेपी सरकार और उसके सुस्त विभाग दुनिया भर से पर्यटकों को आकर्षित करने वाले इस अजूबे ताजमहल के रखरखाव में पूरी तरह विफल रहे हैं। मुख्य गुंबद से पानी टपक रहा है, पौधे उग रहे हैं। अगर इस तरह के पेड़ों की जड़ें बढ़ती रहीं, तब ताजमहल में दरारें पड़ सकती हैं।

हर साल करीब 80 लाख पर्यटक ताजमहल देखने आते हैं। अपनी बेगम मुमताज के लिए शाहजहां द्वारा बनवाया गया यह स्मारक प्यार का प्रतीक है। टूर ऑपरेटरों और लोगों ने इस 17वीं सदी के स्मारक को लेकर चिंता जाहिर है। एएसआई ताजमहल के संरक्षण पर सालाना 4 करोड़ रुपये खर्च करता है।

ऐसी तस्वीरें स्मारक की प्रतिष्ठा को धूमिल करती हैं। वहीं एएसआई ने दावा किया है कि ताजमहल में कोई गंभीर संरचनात्मक समस्या नहीं है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ड्रोन से मुख्य गुंबद का सर्वेक्षण किया गया। फाइनियल के बेस पर जंग लगी हुई पाई गई। हो सकता है कि इस जंग के कारण पत्थर में दरारें आ गई हों, जिससे पानी रिस रहा हो। भविष्य में पानी के रिसाव को रोकने के लिए अब इस दरार की मरम्मत का काम किया जाएगा। मुख्य मकबरों के अंदर नमी देखी गई, जिससे संकेत मिलता है कि गुंबद के पत्थरों में बारीक दरार हो सकती है।

दिल्ली की एयर क्वालिटी पर सुप्रीम कोर्ट ने सीएक्यूएम को लगाई फटकार, कहा हालात इमरजेंसी जैसे, पराली जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को दिल्ली प्रदूषण मामले में सुनवाई हुई। पराली जलाने के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई न करने को लेकर कोर्ट ने कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि प्रदूषण की वजह से इमरजेंसी जैसे हालात बने हुए हैं। सीएक्यूएम से पूछा कि पराली जलाने में क्या कोई कमी आई है? आप पराली जलाने के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं? लगातार बैठकें क्यों नहीं हो रहीं? आपकी कार्रवाई केवल कागज पर है और आप मूकदर्शक हैं। अगर आप यह मैसेज नहीं देते हैं कि कानून का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, तो ये प्रावधान केवल कागज पर ही रह जाएंगे। पिछली सुनवाई के दौरान 27 अगस्त को कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली-एनसीआर के पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड में कर्मचारी कम होने की वजह से ठीक से काम नहीं हो रहा। कोर्ट ने पांच राज्यों को आदेश दिया था कि वे खाली पड़ी नौकरियों को 30 अप्रैल 2025 तक भरें, ताकि प्रदूषण पर काबू पाया जा सके। मामले की सुनवाई जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस एजी मसीह की बेंच कर रही है।

10 हजार से ज्यादा फैक्ट्रियां बंद हुईं

सीएक्यूएम के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने बताया कि उन्होंने समिति बनाने के बाद 82 कानूनी आदेश और 15 सुझाव जारी किए हैं। उनकी टीम ने 19,000 जगहों का निरीक्षण किया है और 10,000 से ज्यादा फैक्ट्रियों को बंद करने का आदेश दिया है। इस पर कोर्ट ने कहा कि सीएक्यूएम तीन साल से अस्तित्व में है, लेकिन इसने केवल 82 निर्देश जारी किए हैं। इतनी कार्रवाई काफी नहीं है। आयोग को और अधिक एक्टिव होने की जरूरत है। आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके निर्देशों से प्रदूषण की समस्या कम हो रही है या नहीं। दरअसल, केंद्र सरकार ने 2021 में सीएक्यूएम का गठन किया था। इसे दिल्ली-एनसीआर और आसपास के इलाकों में बढ़ते प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए बनाया गया है।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला...झारखंड सीएम के पूर्व सचिव पर एफआईआर

आईएएस विनय और संयुक्त-आयुक्त पर ईओडब्ल्यू में केस दर्ज

रायपुर ।

छत्तीसगढ़ आबकारी घोटाला केस में झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के पूर्व सचिव आईएएस विनय कुमार चौबे और आबकारी संयुक्त रहे गजेंद्र सिंह पर एफआईआर दर्ज की गई है। रायपुर की ईओडब्ल्यू और एसीबी ने धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र रचने की धाराओं में नया केस दर्ज किया है। दोनों पर भ्रष्टाचार और सरकार को आर्थिक नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। मामले में आने वाले दिनों में कई गिरफ्तारियां होने की संभावना है। एफआईआर दर्ज होने के बाद झारखंड में सियासी बवाल शुरू हो चुका है। झारखंड के पूर्व सोरेन ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार फिर घोटाले की तैयारी में है।

ईडी भी कर चुकी है पूछताछ

झारखंड के जिन अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज की गई है। इनसे ईडी ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में भी पूछताछ की थी। ताजा एफआईआर में झारखंड आईएएस विनय कुमार चौबे, उत्पाद विभाग के संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह, छत्तीसगढ़ के रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा के अलावा

झारखंड में शराब आपूर्ति, मैनपावर और होलोग्राम बनाने वाली कंपनियों को भी आरोपी बनाया गया है। यह एफआईआर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 2018, धारा 420, 120 बी के तहत दर्ज की गई है।

लादेन का महिमामंडन कर बुरी फंसी जितेंद्र आव्हाड की पत्नी

भाजपा का आरोप इंडी आंतकियों के साथ

मुंबई ।

महाराष्ट्र में एनसीपी (शरदचंद्र पवार) नेता जितेंद्र आव्हाड की पत्नी ऋता आव्हाड ने कुछ ऐसा बयान दे दिया, जिस पर विवाद खड़ा हो गया है। कार्यक्रम के दौरान ऋता ने बच्चों से आंतकी ओसामा बिन लादेन की जीवनी पढ़ने का आग्रह किया और अल-कायदा संस्थापक की तुलना पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम से की। ऋता ने कहा कि लादेन मां के पेट से आतंकी पैदा नहीं हुआ था बल्कि समाज ने लादेन को आतंकी बनाया।

ठाणे में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान ऋता आव्हाड ने कहा, आपको लादेन की जीवनी पढ़नी चाहिए। कलाम जिस तरह राष्ट्रपति बने, उस तरह ओसामा बिन लादेन आतंकवादी बना था। लेकिन वह आतंकवादी क्यों बना? यह समाज ही था जिसने लादेन को ऐसा बनने के लिए मजबूर किया। वह पैदाइशी आतंकी नहीं था। ऋता के बयान को मुद्दा बनाकर भाजपा ने राकांपा (शरदचंद्र पवार) नेता जितेंद्र आव्हाड पर तीखा हमला बोला है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पोस्ट में लिखा, जितेंद्र अव्हाड की पत्नी ने खुले मंच से बच्चों से लादेन की जीवनी पढ़ने का आग्रह किया, जैसे उन्होंने एपीजे अब्दुल कलाम के बारे में पढ़ा, ताकि वे समझ सकें कि वह आतंकवादी कैसा बना। आतंकवादियों का बचाव करना इंडिया ब्लॉक में शामिल पार्टियों के नेताओं की आदत बन गई है। पूनावाला ने कहा, आव्हाड ने इशरत जहां (एलईटी आतंकवादी) का बचाव किया था। इंडी गठबंधन में शामिल कांग्रेस, राकांपा (शरदचंद्र पवार) और सपा के नेताओं ने नियमित रूप से याकूब, अफजल, सिमी, कसाब और अन्य आतंकियों का भी बचाव किया है। भाजपा के एक अन्य प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने पूछा कि क्या शरद पवार और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ऋता की इन टिप्पणियों का समर्थन करते हैं।

धर्मपरिवर्तन का भंडाफोड़..... चार आरोपियों को गिरफ्तार किया

गरीबों को पैसे का लालच देकर करते थे धर्मपरिवर्तन

गाजियाबाद ।

गाजियाबाद में धर्मपरिवर्तन का एक बड़ा मामला सामने आया है, इसमें पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले का खुलासा एक महिला की शिकायत के बाद हुआ। पुलिस ने बताया कि गिरोह के तार कई राज्यों से जुड़े हुए हैं। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

दरअसल गाजियाबाद में संगीता नाम की महिला की ओर से पुलिस को दी गई शिकायत के बाद पूरे मामले का भंडाफोड़ हुआ है। मोदीनगर थाना पुलिस ने शुक्रवार को धर्मांतरण कराने वाले गैंग का खुलासा करने का दावा किया है। चार आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। दावा है कि ये गैंग लोगों को ईसाई धर्म में धर्मांतरण कराता था। इसके बदले गैंग के लोगों को कई जगहों से फंडिंग होती थी। आरोपियों से पूछताछ के बाद गैंग द्वारा बड़ी संख्या में लोगों का धर्मांतरण करने की बात सामने आई है। पुलिस ने बताया कि 22 सितंबर को थाना मोदीनगर पर संगीता नामक महिला ने आवेदन दिया था। इसमें जेठ के बेटे आशु सहित तीन लोगों पर आरोप लगाया कि ये लोग ईसाई धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डाल रहे हैं और ऐसा न करने पर धमकी दे रहे हैं। पुलिस ने मामले में तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगाईं। पुलिस ने चार आरोपियों को पकड़ लिया है। इनकी पहचान आशु, पोलूस मसीह, पास्टर रासी बलियार और छठ्ठ कुमार शाह के रूप में हुई है। पूछताछ में आशु ने बताया कि पिता की मौत के बाद हम लोग नोएडा के सलारपुर गांव में जाकर रहने लगे। वहां हम लोगों ने ईसाई धर्म अपना लिया। अब हम लोग अपनी चाची के परिवार पर भी धर्मांतरण का दबाव बना रहे थे। पुलिस ने बताया कि पोलूस मसीह इस पूरे गैंग का मास्टरमाइंड है। इस कुछ संस्थाओं से फंडिंग हो रही है। बैंक खाते की जांच से बात सामने आई है। पास्टर रासी बलियार मूलतः उड़ीसा का रहने वाला है। फिलहाल नोएडा में रहकर ये काम कर रहा है। छठ्ठ कोरियर कंपनी में काम करता है।

राहुल गांधी के बयान पर भाजपा का धरना-प्रदर्शन, काली पट्टी बांध मुख्यमंत्री भी शामिल हुए

अहमदाबाद ।

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आरक्षण को लेकर अमेरिका में दिये गए बयान को लेकर गुजरात समेत देशभर में भाजपा का विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है. अहमदाबाद के आरटीओ सर्कल स्थित कलेक्टर कचहरी के निकट भाजपा ने धरना प्रदर्शन किया. राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल भी काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए. भाजपा ने 'आक्षण विरोधी कांग्रेस, देश विरोधी कांग्रेस' के पोस्टरके साथ धरना प्रदर्शन कर राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग की. भाजपा नेताओं ने कहा कि भारत की आरक्षण नीति को लेकर विदेशी धरती पर राहुल गांधी का बयान निंदनीय है. उनकी भाषा में कांग्रेस की आरक्षण खत्म करने

की मंशा साफ झलकती है. राहुल गांधी जिस पार्टी से आते हैं, उस पार्टी की विचारधारा ने पूरे देश की स्वीकार्यता को खत्म करने का काम किया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछड़े वर्ग के लोगों को से जोड़ने के लिए विभिन्न कार्यों की जानकारी दी है. चुनाव के समय जिन लोगों ने कहा था कि अगर 2024 में भाजपा की सरकार आएगी तो वे भारत में आरक्षण खत्म कर देंगे, जो लोग इस विचारधारा को फैला रहे थे उन्होंने अब विदेश में जाकर आरक्षण हटाने का बयान दिया है। जो देश के दलित एवं वंचित वर्ग के प्रति उपेक्षा एवं कांग्रेस की आरक्षण विरोधी नीति से संविधान के उच्च मूल्यों के प्रति अनादर की भावना भी प्रकट होती है।

इसके विरोध में भाजपा ने अहमदाबाद में एक धरना प्रदर्शन किया और राहुल गांधी के बयानों और कांग्रेस की विभाजनकारी नीति का विरोध जताया. आरक्षण खत्म करने की कांग्रेस की मंशा को भाजपा कभी सफल नहीं होने देगी।

संक्षिप्त समाचार

जगन को मंदिर जाने की इजाजत नहीं

तिरुपति । आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी ने तिरुपति मंदिर का दौरा कैंसिल कर दिया। जगन रेड्डी ने कहा, पुलिस ने मंदिर यात्रा को लेकर राज्य भर के वायएसआरसीपी नेताओं को नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि हमें तिरुमाला मंदिर जाने की इजाजत नहीं है। राज्य में राक्षसों का राज जारी है। जगन कल यानी 28 सितंबर को तिरुपति के भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में विशेष अनुष्ठान करने वाले थे। इधर, आंध्र प्रदेश सरकार की बनाई हुई 9 सदस्यों वाली एसआईटी ने तिरुपति के प्रसादम में एनिमल फैट पाए जाने के मामले की जांच शुरू कर दी है।

कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ एफआईआर

- मुदा स्कैम में जांच पर रोक लगाने से हाईकोर्ट ने किया था इनकार

बेंगलुरु । कर्नाटक की भ्रष्टाचार निरोधक निकाय ने शुक्रवार को मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुदा) द्वारा भूमि आवंटन से जुड़े कथित घोटाले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला यहां की एक विशेष अदालत द्वारा सिद्धारमैया के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस जांच के आदेश दिए जाने के दो दिन बाद आया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि उनकी पत्नी ने मानदंडों का उल्लंघन करते हुए मुदा द्वारा प्रीमियम संपत्तियां आवंटित की हैं। एफआईआर में सिद्धारमैया को पहले आरोपी के तौर पर नामजद किया गया है, उसके बाद उनकी पत्नी पार्वती, साले मल्लिकार्जुन स्वामी और कथित जमीन मालिक देवराज का नाम दर्ज है। आरोपों के अनुसार, मैसूर विकास निकाय ने पार्वती के स्वामित्व वाली जमीन का एक टुकड़ा अधिग्रहित किया और उसे उच्च मूल्य के भूखंडों के साथ मुआवजा दिया। भाजपा के नेतृत्व वाले विपक्ष और कुछ कार्यकर्ताओं ने सिद्धारमैया और उनकी पत्नी पार्वती पर इस अवैध मुआवजे वाली जमीन के सौदे से लाभ उठाने का आरोप लगाया है, उनका अनुमान है कि कथित अनियमितताएं 4,000 करोड़ रुपये की हैं।

केरल में मंकीपॉक्स का दूसरा मरीज मिला

कोच्चि । केरल में मंकीपॉक्स का दूसरा मरीज मिला है। भारत में मंकीपॉक्स का यह तीसरा मामला है। 29 साल का युवक यूएई से केरल के एर्नाकुलम लौटा था। उसे तेज बुखार था। जांच में मंकीपॉक्स की पुष्टि हुई। अभी स्ट्रेन का पता नहीं चला है। केरल हेल्थ डिपार्टमेंट ने बताया कि मरीज का कोच्चि के प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसके सैंपल पुणे के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी में जीनोमिक सीक्वेंसिंग के लिए भेजे गए हैं। जांच के बाद पता चलेगा कि मरीज मंकीपॉक्स के खतरनाक और तेजी से फैलने वाले क्लैड-1बी स्ट्रेन से संक्रमित है या नहीं।

पुलिस पर हमला, दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

डंडे-पत्थर मारे, बंधक बनाया, वर्दी फाड़ी

मुरादाबाद । मुरादाबाद में ट्रैक्टर के नीचे दबने से युवक की मौत के बाद जमकर बवाल हुआ। गुस्साई भीड़ ने पुलिस पर हमला कर दिया। दौड़ा-दौड़ाकर पत्थर-डंडे मारे। बंधक बनाया। वर्दी फाड़ दी। पुलिस पर हमले की खबर मिलते ही हड़कंप मच गया। डीएम और एसएसपी भारी फोर्स के साथ मौक पर पहुंचे। पब्लिक को समझाकर बंधक पुलिसवालों को मुक्त कराया। घटना ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र की है। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस वसूली के लिए ट्रैक्टर का पीछा कर रही थी। तेज रफ्तार से भगाने की वजह से ट्रैक्टर पलट गया। जिसके नीचे दबने से ट्रैक्टर चला रहे ग्रामीण मोनू की मौत हो गई। पुलिस ने 2 कॉन्स्टेबल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

महाराष्ट्र में 100 अधिकारियों का नहीं हुआ ट्रांसफर

चुनाव आयोग ने सीएम-डीजीपी से जवाब मांगा

मुंबई (ईएमएस)। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र के मुख्य सचिव और डीजीपी से आदेश का पालन न करने पर जवाब मांगा है। मामला विधानसभा चुनाव को देखते हुए अधिकारियों के ट्रांसफर से जुड़ा है। इलेक्शन कमीशन ने आदेश दिया था कि, राज्य में उन अधिकारियों का ट्रांसफर किया जाए, जो या तो अपने होम टाउन में पोस्टेड हैं या वे अधिकारी जिन्हें एक जगह सर्विस करते हुए तीन साल से ज्यादा हो गया। चुनाव आयोग ने 31 अगस्त तक रिपोर्ट फाइल करने का समय दिया था। एडीजीपी ने अभी तक अधूरी रिपोर्ट दी है। वहीं चीफ सेक्रेटरी का भी पूरी रिपोर्ट फाइल करना बाकी है। मुंबई में करीब 100 से ज्यादा अधिकारियों को ट्रांसफर नहीं हुआ है। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है और उससे पहले चुनाव होने की संभावना है। चुनाव आयोग वर्तमान में चुनावों की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए दो दिन के दौरे पर है। जल्द ही चुनाव की तारीखों का ऐलान हो सकता है।

मार्च से कच्चे तेल की कीमत 12 प्रतिशत घटी

पेट्रोल-डीजल पर कंपनियां कमा रहीं 15 लीटर तक

नई दिल्ली।

देश में पेट्रोल-डीजल के दाम से लोगों का दम निकल रहा है। मार्च से अब तक कच्चे तेल की कीमतें 12 प्रतिशत तक कम हुई है जिस कारण ऑयल मार्केटिंग और रिफाइनिंग कंपनियों का मार्जिन बढ़ा है। जानकारी के अनुसार पेट्रोल-डीजल पर कंपनियां 15 रूपए लीटर तक कमा रही हैं। ऐसे में पेट्रोल- डीजल के दाम में कटौती की गुंजाइश है। देश में पेट्रोल-डीजल के दाम 2-3 रुपए लीटर कम हो सकते हैं।

रेटिंग एजेंसी इक्रा की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में इंपोर्ट होने वाले क्रूड ऑयल की एवरेज कीमत इस महीने कम होकर 74 डॉलर प्रति बैरल रह गई है। मार्च में इनके दाम 83-84 डॉलर थे। आखिरी बार मार्च में ही पेट्रोल-डीजल की कीमतें 2 रुपए प्रति लीटर घटाई गईं थी। इक्रा के अनुसार, मार्च-सितंबर के बीच ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की कमाई पेट्रोल पर 15 रुपए और डीजल पर 12 रुपए प्रति लीटर बढ़ी है। ऐसे में यदि कच्चे तेल के दाम स्थिर रहते हैं, तो दाम 2-3 रुपए लीटर घटाए जा सकते हैं। देश में अभी सबसे महंगा पेट्रोल आंध्र प्रदेश में है। यहां एक लीटर पेट्रोल 108.46 रुपए प्रति लीटर है। इसके बाद केरल में 107 रुपए /लीटर, मध्य प्रदेश में 106 रुपए /लीटर और बिहार में 105 रुपए लीटर है। वहीं, आंध्र प्रदेश में डीजल की कीमत 96 रुपए/लीटर है।

दाम कम करने का मौका

2024 के इकोनॉमिक सर्वे में क्रूड ऑयल की कीमतें 84 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान है। हालांकि, कीमतों में नरमी के बाद रेट्स 70 से 75 डॉलर प्रति बैरल के रेंज में हैं। भारत सरकार ने 85 डॉलर के करीब टारगेट रखा है और मौजूदा कीमत 70/72 डॉलर के करीब हैं। कच्चे तेल की कीमतें 75 डॉलर प्रति बैरल तक गिरने से इंपोर्ट बिल पर सालाना 15-18 बिलियन डॉलर (1.26 से 1.51 लाख करोड़ रुपए) की संभावित बचत होगी। इन्फ्लेशन कम होगी और बड़े निवेशों के लिए पैसे बचेगा। लेकिन, कीमतों की पॉजिटिव आउटलुक के बावजूद, सरकार कंज्यूमर्स को फायदा देने के बारे में सतर्क है। सरकार ने संभावित ग्लोबल रिसेशन और आरबीआई की ओर से ब्याज दरों में कटौती के फैसले को लेकर चिंताओं के चलते पेट्रोल और डीजल की रिटेल प्राइसेस

में कटौती के फैसले को पेंडिंग रखा है।

भारत 85 प्रतिशत कच्चा तेल करता है आयात

हम अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत से ज्यादा कच्चा तेल बाहर से खरीदते हैं। इसकी कीमत हमें डॉलर में चुकानी होती है। ऐसे में कच्चे तेल की कीमत बढने और डॉलर के मजबूत होने से पेट्रोल-डीजल महंगे होने लगते हैं। कच्चा तेल बैरल में आता है। एक बैरल यानी 159 लीटर कच्चा तेल होता है।

आतिशी और केजरीवाल पर दायर मानहानि केस की सुनवाई अब सोमवार को

नई दिल्ली,(ईएमएस)।

दिल्ली की नई सीएम आतिशी और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ बीजेपी नेता राजीव बब्बर की दायर मानहानि याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा। जस्टिस हृषिकेश रॉय की पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी। राजीव बब्बर की वकील सोनिया माथुर ने जवाब दाखिल करने के लिए कोर्ट से समय मांगा है।

उन्होंने कहा कि नोटिस अचानक ही मिला, लिहाजा जवाब देने के लिए समुचित समय नहीं मिला है। वहीं केजरीवाल और आतिशी के वकील डॉक्टर अभिषेक मनु सिंघवी ने भी सोमवार को सुनवाई पर सहमति जताई जिसके बाद कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई करने की तारीख तय कर दी।

आपराधिक मानहानि के मामले में दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और मौजूदा हाल ही बनी नई सीएम आतिशी की याचिका पर सुनवाई शुरू होते ही बीजेपी नेता राजीव बब्बर की वकील सोनिया माथुर ने कहा कि हमने इस मामले में कैविएट लगाया है लेकिन रजिस्ट्री ने इसकी सूचना हमें नहीं दी। माथुर ने कहा कि हमारी कैविएट के बावजूद रजिस्ट्री ने केजरीवाल और आतिशी की याचिका के बारे में हमें कोई सूचना नहीं दी और न ही हमें याचिका की कॉपी मिली है। हमें तो कहीं और से सूचना मिली तो हम कोर्ट आए हैं, लिहाजा हमें जवाब देने के लिए समय चाहिए।

दरअसल अग्रवाल समाज के वोटरों के नाम बड़े पैमाने पर मतदाता सूची से काटने वाले बयान से जुड़े केजरीवाल और आतिशी के बयान पर राजीव बब्बर ने आपराधिक मानहानि मामला दर्ज कराया था। इस मामले में केजरीवाल और आतिशी को दिल्ली हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली थी। इसके बाद दोनों नेताओं ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल कर चुनौती दी है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

तीन मंजिला इमारत में आग लगने की घटना लापरवाही के कारण मालिक पर शिकायत दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

तीन मंजिला इमारत में आग लगने की घटना सामने आई है,जहां साड़ी में डायमंड लगाने का काम चल रहा था। इस हादसे में पांच लोग झुलस गए हैं और एक व्यक्ति की जलकर मौत हो गई। घटना के बाद सरथाणा पुलिस ने कारखाना मालिक जयेश वसोया के खिलाफ आपराधिक लापरवाही का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में आग के पीछे शॉर्ट सर्किट और केमिकल का कारण होने की आशंका जताई गई है।

मृतक के साले अविनाश वसावा ने कारखाने के मालिक जयेश वसोया के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि पिछले तीन दिनों से उनके जीजा, परेसभाई गोविंदभाई वसावा, और अन्य लोगों के साथ वे इस कारखाने में काम कर रहे थे। इस कारखाने में साड़ी में डायमंड लगाने और केमिकल से पत्थर को चिकना करने का काम हो रहा था। रोज सुबह ९ बजे से शाम ७-३० बजे तक उनका काम चलता था।

शिकायत में बताया गया कि जब जयेश वसोया ग्राइंडर मशीन से केमिकल को पतला कर रहे थे, तभी शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। आग ने तेजी से पूरे कारखाने को अपनी चपेट में ले लिया। चूंकि वहां आग बुझाने के कोई उपकरण नहीं थे, आग विकराल रूप ले गई।

आग में दाशंत वसावा, विवेक वसावा, कुंजराबेन वसावा, रोहन वसावा, और अन्य कई लोग गंभीर रूप से झुलस गए। १०८ एम्बुलेंस बुलाकर घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां परेसभाई गोविंदभाई वसावा को मृत घोषित किया गया। सरथाणा पुलिस ने घटना की जांच शुरूकर दी है।

वापी कोर्ट में प्रैक्टिस कर रहे वरिष्ठ वकील नाम और हस्ताक्षर का गलत इस्तेमाल कर व्यक्तिने फर्जी आवेदन किया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी कोर्ट में प्रैक्टिस कर रहे वरिष्ठ वकील रविंद्रनाथ संतप्रसाद पांडे के नाम और हस्ताक्षर का गलत इस्तेमाल कर एक अज्ञात व्यक्ति ने फर्जी आवेदन किया। यह आवेदन वापी की एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट में किया गया था, जबकि उस वक्तरविंद्रनाथ पांडे यूपी में अपने गांव में थे। जब वह वापी लौटे और अदालत में उनके नाम से की गई इस फर्जी आवेदन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने आवेदन की कॉपी मंगवाई और पाया कि उसमें उनके फर्जी हस्ताक्षर किए गए थे। रविंद्रनाथ पांडे पिछले २१ सालों से वापी कोर्ट में वकील के रूप में प्रैक्टिस कर रहे हैं और नॉटरी वकील के तौर पर भी सेवाएं दे रहे हैं। उनके नाम का गलत उपयोग करके इस तरह का फर्जी आवेदन उनके पेशे को बदनाम करने के इरादे से किया गया था। इस मामले में उन्होंने वापी टाउन पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरूकर दी है।

नवसारी के पुराने कलेक्टर कार्यालय में चल रही विभिन्न कार्यालयों को जल्द से जल्द खाली करने का निर्देश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी के पुराने कलेक्टर कार्यालय में चल रही विभिन्न कार्यालयों को जल्द से जल्द खाली करने का निर्देश दिया गया है। यह निर्देश इमारत की संरचना को लेकर आई रिपोर्ट के आधार पर दिया गया है, जिसमें इसे खतरनाक बताया गया है। नवसारी के जुनाथाना इलाके में स्थित यह तीन मंजिला इमारत करीब ३५ साल पुरानी है, जिसमें जिला स्तर के कुल ४६ कार्यालय चल रहे हैं। जून २०२४ में भवन को खाली करने का निर्देश जारी किया गया था, लेकिन अब तक ज्यादातर कार्यालय स्थानांतरित नहीं हो सके हैं।

हाल ही में हुई जिला समन्वय शिकायत समिति की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई, जहां कलेक्टर ने सभी कार्यालयों को तत्काल खाली करने का आदेश दिया है। अब तक सिर्फ ४-६ विभागों ने स्थानांतरित किया है, जबकि ४० कार्यालय अभी भी वहीं चल रहे हैं। इमारत को गिराने की भी तैयारी शुरू हो चुकी है।

वलसाड, पारडी, उमरगाम और वापी तालुका में साढ़े तीन से चार इंच बारिश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड, पारडी, उमरगाम और वापी तालुका में साढ़े तीन से चार इंच बारिश दर्ज की गई है, जिससे कई निचले इलाकों में पानी भर गया। राज्य मौसम विभाग की भविष्यवाणी के अनुसार, वलसाड जिले और संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमन में २६ सितंबर को रेड अलर्ट जारी किया गया था। इस पूर्वानुमान के तहत गुरुवार सुबह से ही इन क्षेत्रों में बारिश का माहौल बना रहा।

२६ सितंबर की रात बिजली की चमक के साथ तेज बारिश हुई। वलसाड शहर में रात ८ से १० बजे के बीच दो घंटे में दो इंच बारिश हुई, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। शहर के कई हिस्सों में पानी भरने से स्थानीय लोगों, व्यापारियों, वाहन चालकों और नौकरीपेशा लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

मौसम विभाग के अनुसार, पिछले २४ घंटों में वलसाड तालुका में ९९ मिमी, धरमपुर में ३३ मिमी, पारडी में १०६ मिमी, कपराड़ा में ८ मिमी, उमरगाम में ९१ मिमी और वापी में १०९ मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश से स्थानीय लोगों को गर्मी से राहत मिली, लेकिन कई इलाकों में जलभराव से जनजीवन प्रभावित हुआ।

वलसाड के छिपवाड़ और मोगरावाड़ी रेलवे अंडरपास में पानी भरने से वाहन आवागमन बंद करना पड़ा। इसके अलावा, रूल रोड और अन्य निचले क्षेत्रों में भी पानी भर गया, जिससे वाहन चालकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

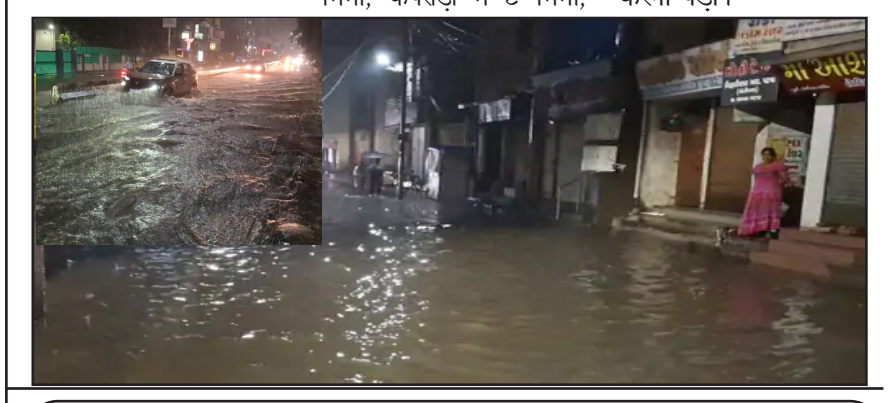

श्रीजी की प्रतिमा पर पथराव मामले में आरोपियों को सूरत की अदालत ने २५,००० रुपये के शर्तों पर आरोपियों को जमानत दी।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

८ सितंबर २०२४ को सूरत के सैयदपुरा के वरियावी बाजार में गणपति पंडाल पर पथराव हुआ था, जिससे सैयदपुरा पुलिस चौकी के पास हिंसा भड़क गई थी। इस घटना में पुलिस ने छह नाबालिग समेत कुल ३२ लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें से छह नाबालिगों को जमानत पर छोड़ दिया गया था।

२७ सितंबर २०२४, को सभी आरोपियों को २० दिन बाद २५,००० रुपये के शर्तों पर जमानत पर रिहा किया गया है। घटना के बाद पुलिस ने २६ आरोपियों को १० सितंबर को अदालत में पेश किया था, जहां उन्हें दो दिन की रिमांड पर भेजा गया। बाद में १२ सितंबर को २४ आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया था।

घटना सैयदपुरा के 'वरियावी चा राजा' गणेश प्रतिमा पर पथराव से शुरू हुई थी। ६ मुस्लिम किशोरों ने रात ९ बजे के बाद पथराव किया, जिससे तनाव पैदा हुआ। पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दागकर स्थिति को नियंत्रण में लिया। इस घटना में पुलिस द्वारा २८ लोगों की गिरफ्तारी की गई थी। सैयदपुरा में गणेश पंडाल पर हुए पथराव के बाद हिंसा भड़क गई थी, जिससे लोगों का गुस्सा और बढ़ गया। पुलिस चौकी से लगभग २०० मीटर दूर स्थित इस पंडाल पर ६ किशोरों द्वारा पथराव किया गया था, जिससे आसपास के लोग उग्र हो गए। जब स्थानीय लोग बड़ी संख्या में जमा हो गए, तब अचानक सभी ओर से पुलिस और लोगों पर पथराव शुरूहो गया, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई।

ये सभी आरोपियों पर पुलिस द्वारा पथराव और हिंसा में शामिल होने के आरोप लगाए गए थे।

इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की सूची इस प्रकार है:

१.अशरफ अब्दुल सलमान अंसारी (रह. कलाइगरवाड)
२.आसिफ महबूब सैयद (रह. फारुख मंजिल, सैयदपुरा)
३.अल्ताफ सुलेमान चौहान (रह. बॉम्बेवाला बिल्डिंग, वरियावी बाजार)
४.इस्तियाक मुस्ताक अंसारी (रह. अंजुमन चाल, सैयदपुरा)
५.आरिफ अब्दुल रहीम (रह. रोशनपार्क, सैयदपुरा)
६.तल्हा मजद्रुल सैयद (रह. रोशनपार्क, सैयदपुरा)
७.इलियास गुलामुन शेख (रह. रोशनपार्क, सैयदपुरा)
८.इरफान मो. हुसैन बागिया (रह. रोशनपार्क, सैयदपुरा)
९.अनस आमिर चरमावाला (रह. रोशनपार्क, सैयदपुरा)
१०.मो. साकील मो. यूसुफ गाड़ीवाला(रह. बरानपुरी भागल)
११.आशीफ महीर विधि (रह. रोशनपार्क, सैयदपुरा)
१२.इमामुल इस्माइल शेख (रह. अलीइलाफ एपा, सैयदपुरा)
१३.फैमुद्दीन हुसैनुद्दीन सैयद (रह. अलीइलाफ एपा, सैयदपुरा)
१४.साजिद शेख अब्दुलमुनाफ मास्टर (रह. अलीइलाफ एपा, सैयदपुरा)
१५.आबनजी हसन अलुबबकर (रह. अलीइलाफ एपा, सैयदपुरा)
१६.तैयबानी मुस्तुफा कादरअली (रह. अलीइलाफ एपा, सैयदपुरा)
१७.इमरानअली मोहम्मद परियानी (रह. अलीइलाफ एपा, सैयदपुरा)
१८.इरफान सुलेमान कमानी (रह. आलिया एपा, भंडारीवाड)
१९.काजी हुसेरा साउद्द अहमद (रह. मीना कॉम्प, सगरामपुरा)
२०.मो. वासी सैयद सुदुकी (रह. अलीइलाफ एपा, सैयदपुरा)
२१.मो. अयान मो. रईश (रह. अलीइलाफ एपा, सैयदपुरा)
२२.मॉयुद्दीन भीखा घांसी (रह. रहमानी पैलेस, वेड दरवाजा)
२३.सोहेब साहिल झवेरी (रह. फूलवाड़ी, भरिमाता रोड)
२४.फिरोज मुख्तार शा (रह. गोगा मंजिल, रामपुरा)
२५.अब्दुल करीम रसिद सहेमद (रह. रिवरव्यू सोसा, भरिमाता रोड)
२६.जुनैद वहाब शेख (रह. अलीइलाफ एपा, सैयदपुरा)

पथराव की घटना में घायल हुए पुलिसकर्मी:

१.युवराजसिंह भरतसिंह वाघेला (उम्र ३१)
माथे पर चोट (रह. विवेकानंद टाउनशिप, पालनपुर जकातनाका)
२.हार्दिक छगनभाई राजपाल (उम्र २७)
माथे पर चोट (रह. कुसुम मांजली अपार्टमेंट, कतारगाम)
३.सरदारसिंह धनजीसिंह गरैया (उम्र ३९)
दाहिने पैर में चोट (रह. महिधरपुरा पुलिस लाइन)
४.अजितसिंह मानसिंह पारघवी (उम्र ३९)
बाएं पैर में चोट (रह. महिधरपुरा पुलिस लाइन)

ये पुलिसकर्मी पथराव की घटना में घायल हुए थे।

सूरत में ७०० संपत्तियों को ध्वस्तीकरण नोटिस मिलने के बाद आक्रोशित लोग विरोध जताने के लिए कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जहां एक तरफ प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लोगों को घर दिए जाते हैं, वहीं दूसरी तरफ स्थानीय प्रशासन उनके घरों को तोड़कर उन्हें बेघर कर रहा है।

।। श्री गणेशाय नमः।।
रक्तदान - महादान आमंत्रण रक्तदान - जीवनदान
मारवाड़ी सेवा संगठन, सूरत
एवम्
रतनगढ़ नागरिक परिषद, सूरत
के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित
विशाल रक्तदान शिविर
जय श्रीराम,
आप सभी को सहर्ष सूचित किया जा रहा है कि मारवाड़ी सेवा संगठन एवं रतनगढ़ नागरिक परिषद् सूरत के संयुक्त तत्वाधान में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें आप सभी ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधारकर अपने अमूल्य रक्त का दानकर पूण्य के भागी बनें।
यदि ईश्वर ने आपको योग्य बनाया है कि आप दूसरों की मदद कर सकते है तो जरूर करें
रक्तदान करें - किसी को जीवनदान करें।
दिनांक : 28, सितम्बर 2024, शनिवार
समय : दोपहर 1:00 से सायं 6:00 बजे तक
:: स्थल ::
न्यू हरिकृपा टेक्सटाईल मार्केट (पार्किंग प्रांगण)
श्याम मार्केट के सामने, मोटी बेगमवाड़ी (रामवाड़ी), रिंग रोड, सूरत
मानवता के हित में काम करें, आईये रक्तदान करें
: कार्यक्रम संयोजक सम्पर्क सूत्र :
98797-43731, 93778-71435, 98791-98013, 93778-82541
98251-35741, 82381-49922, 98790-07769, 99792-26449

भाजपा द्वारा "आरक्षण विरोधी कांग्रेस के खिलाफ धरने"का कार्यक्रम आयोजित किया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, भारतीय जनता पार्टी सूरत महानगर द्वारा उधना दरवाजा स्थित डॉक्टर बाबा साहेब आंबेडकर जी की प्रतिमा के पास कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा अमेरिका में दिए गए आरक्षण विरोधी बयान के खिलाफ कांग्रेस और राहुल गांधी का असली चेहरा और विभाजनकारी एजेंडा लोगों के सामने लाने के लिए विरोध प्रदर्शन और धरने का कार्यक्रम रखा गया था.

इस अभियान के अंतर्गत अनुसूचित जाति मोर्चा, अनुसूचित जनजाति मोर्चा, बक्शीपंच मोर्चा तथा अन्य पिछड़ा वर्ग जाति के प्रमुख नेता और प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा "आरक्षण विरोधी कांग्रेस के खिलाफ धरने" का आयोजन किया गया था. जिसमें प्लेकार्ड दिखाकर, काली पट्टी लगाकर और नारेबाजी करके विरोध प्रदर्शन किया गया. इस कार्यक्रम में प्रदेश के प्रवक्ता और वडोदरा के पूर्व मेयर भरतभाई डांगर विशेष रूप से उपस्थित थे. उनके साथ शहर अध्यक्ष निरंजन झांझमेरा, महामंत्री किशोर बिंदल, कालु भीमनाथ, मेयर दक्षेश मावानी, डिप्टी मेयर नरेंद्र, पक्षनेता शशि त्रिपाठी, विधायक गण, पूर्व मंत्री नरोतम पटेल सहित नगरसेवक, संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे.

समाज, व्यापार में परस्पर संयोग प्राप्त कर एक परिवार बने : आचार्य जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, शहर के पाल में श्री कुशल कांति खरतरगच्छ जैन श्री संघ पाल स्थित श्री कुशल कांति खरतरगच्छ भवन में पाल में दो दिवसीय संघशास्ता

वर्षावास राष्ट्रीय अधिवेशन अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद एवं अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद द्वारा आचार्य जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी के पावन निश्रा में हो रहा है. शुक्रवार २७ को गुरुवंदन, ध्वजारोहण, भावों से दीप प्रज्वोलित कर शुभारंभ हुआ. राष्ट्रीय अधिवेशन में जिसमें पूरे भारत